गैरसैंण, सोमवार
29 दिसम्बर 2025
वर्षः 17
अंकः 228 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

विवाहिता की मौत के मामले में सास–ससुर गिरफ्तार, जेल भेजा

चमोली। ल्वाणी गांव की विवाहिता उर्मिला देवी की हत्या के आरोप में पुलिस ने उसके सास–ससुर को गिरफ्तार किया। इसके बाद न्यायिक अभिरक्षा में उन्हें जेल भेज दिया गया। मृतका की मां की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। बीते 20 अक्तूबर को उर्मिला का शव गांव से करीब डेढ़ किमी दूर संदिग्ध परिस्थिति में पेड़ से लटका मिला था। नंदानगर ब्लॉक के कनौल गांव की उर्मिला का विवाह करीब दो साल पहले ल्वाणी गांव के प्रेम सिंह के साथ हुआ था। उर्मिला का 11 माह का बेटा है जबकि उसका पति प्राइवेट नौकरी में है। 20 अक्तूबर को उर्मिला देवी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में गांव के पास पेड़ से लटका मिला था। 23 अक्तूबर को उर्मिला की माता सुपुली देवी ने थाना थराली में बेटी के सास–ससुर के खिलाफ तहरीर दी थी। उन्होंने कहा था कि विवाह के बाद से उर्मिला को उसके ससुराल वाले लगातार दहेज के लिए शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। आरोप लगाया कि घटना से पूर्व उर्मिला ने फोन पर ससुराल में उसके साथ मारपीट किए जाने की बात कही और इसके बाद उसका फोन बंद हो गया। कुछ समय बाद ग्रामीणों के माध्यम से उर्मिला की मृत्यु की सूचना मिली। तहरीर पर पुलिस ने दहेज की मांग करने व हत्या सहित अन्य सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। प्रकरण की विवेचना कर रहे पुलिस उपाधीक्षक त्रिवेंद्र सिंह राणा ने गवाहों के बयान दर्ज किए। पुलिस ने आरोपी ससुर त्रिलोक सिंह व सास रामेश्वरी देवी को गिरफ्तार किया। चौकी प्रभारी देवेंद्र भारती ने बताया कि दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक हिरासत में जिला कारागार पुरसाड़ी भेज दिया गया।

पर्यटकों से गुलजार हुआ लोहाजंग, 500 पर्यटक पहुंचे

चमोली। थर्टी फर्स्ट और नए साल के जश्न के लिए लोहाजंग पर्यटकों से गुलजार हो गया है। ब्रह्मताल और भींकलताल ट्रैकिंग के लिए भी पर्यटक पहुंच गए हैं। यहां के होटल, लॉज 31 दिसंबर तक बुक हो चुके हैं। ट्रैकिंग कंपनी ने टेंट कालोनी स्थापित कर पर्यटकों के ठहरने की व्यवस्था की है। रविवार को 500 पर्यटक बर्फबारी होने की उम्मीद में लोहाजंग में रुके हैं जबकि 400 ब्रह्मताल गए हैं। लोहाजंग देश के मुख्य पर्यटन स्थल रुपकुंड, आली, वेदनी,आयजनटाप, भीकलताल, ब्रह्मताल का बेस कैंप और इन पर्यटन स्थलों का प्रवेश द्वार है। 2250 मीटर पर स्थित लोहाजंग एक रमणीय पर्यटन स्थल है। यहां से चौखंबा, त्रिशूली, नंदा घुघटी, पर्वत शृंखलाएं साफ दिखाई देती हैं। यहां पर 15 ट्रैकिंग कंपनी का बेस कैंप है। यहां 16 होमस्टे हैं जिसमें 1000 पर्यटकों के रुकने की व्यवस्था है। लोहाजंग के व्यापारी इंद्र सिंह राणा ने बताया कि नए साल के जश्न के लिए यहां पर मुंबई, बंगलूरू, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, बंगाल से पर्यटक आए हैं। 31 दिसंबर तक सभी होटल लॉज बुक हो चुके हैं।

29 मार्च से मिलेगी देहरादून और नोएडा के बीच हवाई सेवा

देहरादून। नोएडा शहर भी अब जल्द ही देहरादून हवाई अड्डे से जुड़ने जा रहा है। इसको लेकर इंडिगो एयरलाइंस ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। 29 मार्च से इंडिगो नोएडा शहर से देहरादून के लिए हवाई सेवा शुरू करेगा। जिसका सीधा लाभ हवाई यात्रियों को मिलेगा।

बता दें कि वर्तमान में देहरादून एयरपोर्ट दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, लखनऊ जयपुर, भुवनेश्वर, हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों से जुड़ा है। जिसके चलते इन शहरों से आने वाले यात्री को कम समय पर उत्तराखंड आने–जाने की सुविधा मिल रही है। वहीं अब नोएडा शहर से भी इंडिगो की नई उड़ान शुरू होने से यात्रियों को एक और विकल्प मिल जाएगा। देहरादून एयरपोर्ट के निदेशक भूपेश सीएच नेगी ने बताया कि नए साल में इंडिगो नोएडा के लिए अपनी नई उड़ान शुरू करने जा रहा है। यह उड़ान 29 मार्च को प्रारंभ होगी। उन्होंने कहा कि नोएडा से देहरादून के लिए हवाई सेवाओं के जुड़ने से सैकड़ो हवाई यात्रियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

सीएम ने किया 114 करोड़ से अधिक की लागत के 12 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

नैनीताल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नैनीताल जिले के कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र के कोटाबाग में आयोजित दो दिवसीय 'घोड़ा लाइब्रेरी पहाड़ पच्छ्याण महोत्सव' में प्रतिभाग कर क्षेत्र के विकास हेतु 114 करोड़ से अधिक की लागत के 12 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसंस्कृति, पुस्तकों और प्रकृति को जोड़ने का घोड़ा लाइब्रेरी का प्रयास अत्यंत सराहनीय है।

यह पर्वतीय व दुर्गम क्षेत्रों के बच्चों में पुस्तक संस्कृति विकसित करने और शिक्षा को दूरस्थ छोर तक पहुँचाने का अद्वितीय उपक्रम है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' में भी सराहा गया है। मुख्यमंत्री ने लाइब्रेरी की युवा टीम एवं इसके प्रेरक शुभम बधानी को बधाई देते हुए कहा कि यह पहल केवल पुस्तकें पहुँचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों के सपनों को उड़ान देने का माध्यम बन रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पुस्तकों को केवल परीक्षा तक सीमित न रखें, उन्हें अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं, वे हमारी सच्ची मित्र और मार्गदर्शक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। शहरों से लेकर दूरस्थ गांवों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। साथ ही, राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिये राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मानसखंड के पौराणिक मंदिरों–नैनीदेवी, कैंचीधाम, हनुमानगढ़ी व मुक्तेश्वर धाम–का पुनरुत्थान का कार्य तेजी से चल रहा है। इसी क्रम में कोटाबाग के तोक भटकानी स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर का जीर्णोद्धार व सौंदर्यीकरण कार्य भी संपन्न हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने हेतु नई शिक्षा नीति लागू की गई है। सभी सरकारी विद्यालयों में एनसीईआरटी पुस्तकों को लागू किया गया है, तथा कक्षा 1 से 12 तक निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रदेश में 226 विद्यालय 'पीएम विद्यालय' के रूप में विकसित किए जा रहे हैं, जबकि 500 विद्यालयों में वर्चुअल कक्षाएँ संचालित हैं। उन्होंने बताया कि व्यावसायिक शिक्षा से 42 हजार विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं और छात्रों को नकलमुक्त वातावरण देने हेतु देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून लागू किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों में 26 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियाँ मिली हैं तथा संघ लोक सेवा आयोग, एनडीए, सीडीएस आदि की परीक्षाएँ पास करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार की तैयारी हेतु 50,000 की सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि गढ़वाली, कुमाऊँनी और जौनसारी भाषाओं जैसी स्थानीय भाषाओं के संरक्षण हेतु राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है।

अंकिता भंडारी की हत्या एक जघन्य अपराध, सभी आरोपितों को सख्त सजा मिले : हरीश रावत

– कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कैंडल मार्च निकालकर अंकिता के न्याय की मांग की

देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कैंडल मार्च निकालकर न्याय की मांग की। इस मामले में सामने आ रहे कथित वीआइपी व अन्य लोगों की गिरफ्तारी की मांग को भी उठाई। कैंडल मार्च के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि अंकिता भंडारी की हत्या एक जघन्य अपराध है। उसमें शामिल सभी आरोपितों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मामले की जांच सवीच्च न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में सीबीआइ से कराई जाए। ब्लाक प्रमुख गौरव सिंह ने कहा कि अंकिता भंडारी की हत्या के दोषियों को सख्त सजा दिलाने के लिए कांग्रेस संघर्ष करेगी। सरकार को इस मामले में राजनीति नहीं बल्कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना चाहिए। परवादून कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल व नगर अध्यक्ष करतार नेगी ने कहा कि इस हत्याकांड ने पूरे समाज को झकझोर दिया है।

भूमि विवाद में ताबड़तोड़ फायरिंग, गोली लगने से मजदूर की मौत

रुद्रपुर(। फाजलपुर महरौला प्रीत विहार में रविवार सुबह भूमि विवाद के चलते ताबड़तोड़ फायरिंग में गोली लगने से बिहार निवासी एक मजदूर की मौत हो गई। एक पक्ष मजदूरों के साथ खेत पर कब्जा लेने पहुंचा था, इसी दौरान दूसरे पक्ष ने विरोध करते हुए फायरिंग कर दी। पहले पक्ष ने भी जवाबी फायरिंग की। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए।

सूचना पर एसएसपी समेत पुलिस अधिकारी और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार, बिगवाड़ा गांव निवासी सिमरनजीत सिंह और प्रीत विहार निवासी एक व्यक्ति के बीच करीब 15 वर्षों से खेत को लेकर विवाद चल रहा था। मामला अदालत में विचाराधीन था, जिसमें हाल ही में कोर्ट ने सिमरनजीत के पक्ष में फैसला सुनाया था। रविवार सुबह करीब आठ बजे सिमरनजीत अपने कुछ लोगों और करीब 20 मजदूरों के साथ खेत पर कब्जा लेने और पिलर लगाने पहुंचे। इसी दौरान दूसरे पक्ष के लोग वहां पहुंचे। जब मजदूर सिमरनजीत के कहने पर खेत में पिलर लगाने लगे तो दूसरे पक्ष के लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। इस पर सिमरनजीत पक्ष के लोगों ने हवाई फायरिंग की। इस पर दूसरे पक्ष के लोगों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इधर, सिमरनजीत पक्ष की ओर से भी जवाबी फायरिंग की गई। इस दौरान 25 वर्षीय मजदूर कार्तिक पोतदार पुत्र मानिक पोतदार निवासी विरंची थाना मानपुर, जिला पश्चिम चंपारण बिहार की पीठ में गोली लग गई। वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। फायरिंग के बाद हमलावर फरार हो गए और सिमरनजीत ने कोतवाली पुलिस को घटना की सूचना दी। एंबुलेंस से घायल कार्तिक को जिला अस्पातल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर एसएसपी मणिकांत मिश्रा, सीओ प्रशांत कुमार और कोतवाल मनोज रतूड़ी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर खोखे और कारतूस बरामद किए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों को सूचना दे दी है। एसएसपी ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी गई है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मंदिर तोड़फोड़ मामले में आरोपी गिरफ्तार, कोर्ट में पेश

रुड़की। मोहितपुर गांव स्थित शिव मंदिर में मूर्ति खंडित किए जाने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। साथ ही गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। सोमवार को गांव में शोभायात्रा निकालकर पूजा–अर्चना के साथ नई मूर्ति की स्थापना किए जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया है। शनिवार सुबह मोहितपुर गांव के शिव मंदिर में अज्ञात व्यक्ति द्वारा मूर्ति खंडित किए जाने की घटना सामने आई थी, जिसके बाद ग्रामीणों में रोष फैल गया और मामला तूल पकड़ता चला गया। पुलिस ने ग्रामीणों की तहरीर के आधार पर जुबेर निवासी मोहितपुर के खिलाफ मंदिर में घुसकर मूर्ति खंडित करने का मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया है। वहीं किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए गांव में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है और लगातार निगरानी रखी जा रही है।

नए साल के जश्न पर आतंकी साया, कई शहरों में न्यू ईयर पार्टियां रद्द

नई दिल्ली ,दुनिया भर में नए साल 2026 के स्वागत के लिए उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है और पर्यटक जश्न मनाने के लिए अपने पसंदीदा स्थलों पर पहुंचने लगे हैं। लेकिन इस बार उत्साह के बीच डर का माहौल भी है। आतंकी खतरों, हालिया हिंसक घटनाओं और भीड़भाड़ से जुड़े जोखिमों को देखते हुए दुनिया के कई प्रमुख शहरों में न्यू ईयर की पूर्व संध्या पर होने वाले बड़े कार्यक्रमों को या तो रद्द कर दिया गया है या वहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। द मिरर यूएस और फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैसले एहतियातन लिए गए हैं ताकि किसी भी तरह के बड़े हमले या हादसे को टाला जा सके। अमेरिका में सुरक्षा एजेंसियों की मुस्तैदी से एक बड़ा हादसा टल गया। संघीय अधिकारियों ने लॉस एंजिल्स में न्यू ईयर पर बम धमाके की एक खौफनाक साजिश को नाकाम कर दिया है। एफबीआई ने कार्रवाई करते हुए मोजावे रेगिस्तान में हमले का 'पूर्वाभ्यास करते समय चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि ये संदिग्ध लॉस एंजिल्स में कई जगहों पर 'इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइसेजझ् (ह्वश्वष्ठ) के जरिए एक साथ हमले करने की योजना बना रहे थे। हालांकि, लॉस एंजिल्स में समारोह रद्द नहीं किए गए हैं, लेकिन सुरक्षा घेरा बहुत सख्त कर दिया गया है। वहीं, न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में होने वाले मशहूर 'बॉल ड्रॉपझ् कार्यक्रम में 10 लाख लोगों के जुटने की उम्मीद है, जिसे देखते हुए वहां पुलिस का पहरा बढ़ा दिया गया है। यूरोप और एशिया में भी सुरक्षा कारणों से सख्ती बरती जा रही है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में पुलिस के अनुरोध पर प्रशासन ने चैंप्स–एलिसीज पर होने वाला मशहूर संगीत कार्यक्रम रद्द कर दिया है।

अधिकारियों को डर था कि भारी भीड़ के कारण भगदड़ मच सकती है या सुरक्षा में चूक हो सकती है। हालांकि, वहां आतिशबाजी होगी लेकिन लाइव प्रदर्शन के बजाय रिकॉर्डेड संगीत ही बजाया जाएगा। इसी तरह, जापान के टोक्यो में भी भीड़भाड़ और संभावित हमलों के खतरे को देखते हुए शिबुया में होने वाला 'काउंटडाउनझ् रद्द कर दिया गया है। शिबुया के मेयर केन हासेबे ने स्पष्ट किया है कि प्रशासन का पूरा फोकस हादसों और अव्यवस्था को रोकने पर है। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में भी इस बार न्यू ईयर का जश्न फीका रहेगा। सिडनी के बॉन्डी बीच पर इस महीने की शुरुआत में हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद वहां न्यू ईयर के सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं।

रतन टाटा की जयंती पर गृह मंत्री अमित शाह, सीएम योगी समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली ,। देश के महान उद्योगपति और टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा की जयंती पर रविवार को देशभर के प्रमुख नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, शिवराज सिंह चौहान और अन्य नेताओं ने उनके योगदान को याद किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा, रतन टाटा की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि, जिन्होंने ईमानदारी और करुणा के साथ भारतीय उद्यम को नया रूप दिया। स्वदेशी उद्योग बनाने से लेकर निस्वार्थ परोपकार तक, उन्होंने दिखाया कि सच्ची सफलता देश की सेवा में है। उनकी विरासत आत्मनिर्भर भारत को प्रेरित करेगी। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नीतीन नवीन ने एक्स पोस्ट में लिखा, आज रतन टाटा की जयंती पर हम उन्हें याद करते हैं। उन्होंने ईमानदारी, बेहतरीन काम और सेवा के पक्के मूल्यों के साथ भारतीय बिज़नेस की सबसे अच्छी परंपराओं को अपनाया। युवाओं के लिए, वह प्रेरणा की किरण थे, जिन्होंने यह साबित किया कि सफलता तभी सबसे ज़्यादा मायने रखती है जब वह दया और विनम्रता पर आधारित हो। सपनों देखने वाली एक पीढ़ी को बड़े जोखिम उठाने और सीमाओं को पार करने के लिए सशक्त बनाकर, उन्होंने एक ऐसी विरासत छोड़ी है जो भारत के भविष्य को आकार देती रहेगी। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पोस्ट में लिखा, भारत की औद्योगिक प्रगति में अतुलनीय योगदान देने वाले महान उद्योगपति, टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा की जयंती पर कोटि–कोटि नमन करता हूं। रतन टाटा ने भारतीय उद्योग जगत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। वे देश के विकास के लिए सदैव समर्पित रहे और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अनेक अभूतपूर्व कार्य किए। आपके कार्य और प्रखर विचार सदैव युवाओं को अपने सपने पूरे करने के लिए प्रेरित करेंगे।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में लिखा, प्रख्यात उद्योगपति पद्म विभूषण रतन टाटा की जयंती पर उन्हें विनम्र अभिवादन। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पोस्ट में लिखा, रतन टाटा की जयंती पर मैं उनको सम्मान के साथ याद करता हूं।

कलयुगी मां ने 6 साल की बेटी की ली जान

मुंबई , नवी मुंबई के कलंबोली में मां की ममता को शर्मसार करने वाली एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। बेटी मराठी में बात नहीं कर सकती थी, इसलिए मां ने उसे मौत के घाट उतार दिया। इस मामले में पुलिस ने मां को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, कलंबोली सेक्टर–1 स्थित गुरुसंकल्प हाउसिंग सोसायटी में एक मां ने अपनी ही छह साल की मासूम बेटी का गला घोंटकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं, बेटी की हत्या के बाद कहानी बनाने की कोशिश की गई कि उसकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है, लेकिन पुलिस ने शक के आधार पर मृतक लड़की का पोस्टमॉर्टम करवाया, जिसमें पाया गया है कि सांस की नली अवरोध होने की वजह से उसकी जान गई है। फिर पुलिस ने मां से सख्ती से पूछताछ की, जिसके बाद लड़की की मौत का रहस्य उजागर हुआ है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुसंकल्प सोसायटी में आईटी इंजीनियर पति अपनी पढ़ी–लिखी पत्नी के साथ रहते थे। वर्ष 2017 में विवाह हुआ और 2019 में उन्हें एक बेटी हुई। हालांकि, छह साल की इस बच्ची को बचपन से ही बोलने में परेशानी थी। वह मराठी के बजाय अधिकतर हिंदी में बोलती थी, जिससे मां लगातार नाराज रहती थी।

नए साल के जश्न के लिए बर्फबारी की आस

पिथौरागढ़। नए साल का जश्न मनाने के लिए पिथौरागढ़ के पर्यटन स्थलों में सैलानी उमडने लगे हैं। पर्यटकों की आवाजाही के चलते व्यापारियों के चेहरे खिल गए हैं। बर्फबारी की आस लेकर पर्यटक खलिया टॉप, चौकोडी सहित अन्य ऊंचाई वाले स्थानों में पहुंच गए हैं। पश्चिम बंगाल, गुजरात,महाराष्ट्र सहित अन्य जगहों के पर्यटक पंचाचूली सहित अन्य पर्वत श्रंखलाओं के दीदार कर खासे उत्साहित हैं। दिसंबर माह बीतने को है पर अभी तक एक बार भी बर्फबारी नहीं हुई है। मुनस्यारी में मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आ रहा है। बर्फबारी व कडाके की ठंड के लिए पहचान रखने वाली पर्यटन नगरी में अभी गर्माहट बनी हुई है। रविवार को काफी संख्या में पर्यटक नववर्ष मनाने के लिए मुनस्यारी पहुंचे। पश्चिम बंगाल से पहुंची पर्यटक काजल ने बताया कि दिसंबर माह के अंतिम दिनों व नए साल में बर्फबारी की उम्मीद बनी हुई है। उत्तर प्रदेश से पहुंचे राकेश गुप्ता ने कहा कि हिमालय का दीदार करना ही एक रोमांचित करने वाला अनुभव है। इस सप्ताह अगर बर्फबारी होती है तो वह एक नया अनुभव लेकर वापस घर को लौटेंगे। पर्यटन नगरी में गुजरात, पश्चिम बंगाल, दिल्ली सहित अन्य राज्यों से पहुंचे पर्यटकों के वाहनों की लंबी कतार लगी रही। पुलिस व प्रशासन जाम से निपटने के लिए तैयार रहा पर काफी संख्या में वाहनों के पहुंचने के चलते पर्यटकों को जाम का सामना करना पड़ा।

बंद पड़ी फैक्ट्री में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला गार्ड का शव

काशीपुर। महुआखेड़ा गंज स्थित बंद पड़ी एक फैक्ट्री में रविवार को सुरक्षाकर्मी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच–पड़ताल की और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए मामले की गहन जांच की मांग की है। वहीं सुरक्षाकर्मी के साथ काम करने वाला उसका भतीजा और एक अन्य कर्मचारी घटना के बाद से लापता बताए जा रहे हैं। मृतक की पहचान यूपी के जिला बुलंदशहर के ग्राम सैदपुरा निवासी 48 वर्षीय करमवीर सिंह पुत्र रंजीत सिंह के रूप में हुई है। वह महुआखेड़ा गंज स्थित बंद पड़ी फैक्ट्री में सुरक्षाकर्मी के रूप में तैनात था और फैक्ट्री परिसर में ही रहता था। रविवार सुबह किसी राहगीर ने फैक्ट्री के मुख्य गेट के पास शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का मुआयना किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की, लेकिन फैक्ट्री परिसर में लगे तीनों कैमरे बंद मिले। पूछताछ में पता चला कि उनकी डीवीआर काफी समय से खराब है। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर शव पोस्टमार्टम हाउस भिजवाया। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतक के बेटे रिंकू ने बताया कि उसके पिता के साथ चाचा योगेंद्र सिंह का बेटा अपरांत और एक अन्य व्यक्ति ओमपाल भी उसी फैक्ट्री में सुरक्षा गार्ड का काम करते थे। घटना के बाद से अपरांत और ओमपाल मौके पर नहीं मिले हैं। हालांकि अपरांत का मोबाइल फोन घटनास्थल पर मिला, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। रिंकू ने अपने पिता की हत्या की आशंका जताई है। परिजनों के अनुसार करमवीर सिंह दो भाइयों में बड़े थे और परिवार ग्राम सैदपुरा में रहता है।

उनके बच्चे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, जबकि बेटी की शादी हो चुकी है। करमवीर महीने में एक–दो बार घर आते थे। पैगा चौकी प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि लापता भतीजे और दूसरे कर्मचारी की तलाश की जा रही है।

नीरज चोपड़ा और हिमानी मोर की रिसेप्शन पार्टी में शामिल हुए पीएम मोदी

नई दिल्ली , ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा और टेनिस खिलाड़ी हिमानी मोर की शादी की रिसेप्शन पार्टी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। इस खास मौके का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी नवविवाहित जोड़े को उपहार देते, उनके साथ फोटो खिंचवाते और उन्हें आशीर्वाद देते नजर आ रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने नीरज और हिमानी से आत्मीय बातचीत भी की। गौरतलब है कि नीरज चोपड़ा ने इसी साल जनवरी में हिमानी मोर से बेहद सादगीपूर्ण तरीके से शादी की थी। उस समय शादी की जानकारी सार्वजनिक नही की गई थी और परिवार के सदस्यों व करीबी दोस्तों की मौजूदगी में यह समारोह संपन्न हुआ था। बाद में नीरज ने सोशल मीडिया के जरिए शादी की तस्वीरें साझा कर इस खुशखबरी को लोगों तक पहुंचाया था। शादी के लगभग एक साल बाद नीरज और हिमानी ने भव्य रिसेप्शन का आयोजन किया। 26 दिसंबर को हरियाणा के करनाल में पहला रिसेप्शन दिया गया, जबकि 27 दिसंबर को दिल्ली के द लीला पैलेस में दूसरा रिसेप्शन आयोजित हुआ।

किसानों के लिए खुशखबरी :
बढ़ सकती है पीएम किसान सम्मान निधि की राशि, 1 फरवरी पर टिकीं करोड़ों अन्नदाताओं की निगाहें

नई दिल्ली , देश के करोड़ों अन्नदाताओं के लिए आने वाले कुछ महीने बेहद खास और निर्णायक साबित होने वाले हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, जो छोटे और सीमांत किसानों के लिए एक बड़ा सहारा है, उसे लेकर अब नई उम्मीदें जाग उठी हैं। जहाँ एक तरफ किसान अपनी अगली यानी 22वीं किस्त के जारी होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी निगाहें 1 फरवरी, 2026 को पेश होने वाले केंद्रीय बजट पर भी टिकी हुई हैं। अटकलें तेज हैं कि सरकार इस बार के बजट में किसानों को बड़ी राहत देते हुए सम्मान निधि की राशि में बढ़ोतरी कर सकती है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नई संजीवनी देगा। केंद्र सरकार द्वारा इस योजना के लिए जिस तरह से फंड का आवंटन बढ़ाया जा रहा है, उससे साफ संकेत मिलते हैं कि कृषि क्षेत्र सरकार की सवोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। मौजूदा वित्त वर्ष (2024–25) के आंकड़ों पर नजर डालें तो सरकार ने शुरुआत में 60,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया था, जिसे बाद में योजना की व्यापकता और किसानों की जरूरतों को देखते हुए बढ़ाकर 63,500 करोड़ रुपये कर दिया गया। पिछले दो सालों में बजट में हुई यह 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की वृद्धि यह दर्शाती है कि लाभार्थियों की संख्या बढ़ रही है और सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि किसी भी पात्र किसान का पैसा न रुके। इस समय किसानों और कृषि विशेषज्ञों के बीच सबसे बड़ा चर्चा का विषय यही है कि क्या सालाना मिलने वाली 6,000 रुपये की सहायता राशि में इजाफा किया जाएगा? खेती की बढ़ती लागत, खाद–बीज के दाम और सामान्य महंगाई को देखते हुए लंबे समय से यह मांग की जा रही है कि सम्मान निधि की रकम बढ़ाई जाए।

सम्पादकीय

रेल नेटवर्क से विकास का लक्ष्य

डबल इंजन की सरकार के बीच का समन्वय राज्य के कई क्षेत्रों में विकास के लिए सहायक सिद्ध हो रहा है। जहां कई बड़ी योजनाओं को केंद्र सरकार के सहयोग से उत्तराखंड में शुरू किया गया है तो वहीं उत्तराखंड की सबसे महत्वाकांक्षी एवं सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण ऋषिकेश करणप्रयाग रेल योजना 2026 तक पूरी होने की संभावनाएं है। रेलवे लाइन की इसी कड़ी में केंद्र सरकार ने टनकपुर बागेश्वर रेल लाइन पर काम करने के लिए राज्य सरकार को औपचारिक सहमति पत्र भेजा है, जिस पर राज्य सरकार जल्दी मोहर लगाकर इस योजना को परवान चढ़ाएगी। उत्तराखंड सरकार की औपचारिक सहमति के बाद टनकपुरझबागेश्वर रेललाइन पर जल्द काम शुरु हो सकता है। प्रस्तावित टनकपुर– बागेश्वर रेललाइन को कुमांउ क्षेत्र में रेल नेटवर्क विस्तार की दिशा में गेम चेंजर प्रोजेक्ट के रूप में देखा रहा है। करीब 170 किमी लंबी इस परियोजना के लिए फाइनल सर्वे का काम पूरा हो चुका है। अब अगले चरण में परियोजना पर राज्य सरकार से विचार विमर्श होना है। राज्य सरकार इस परियोजनाओं को शुरु करने के लिए केंद्र सरकार के संपर्क में थी जिसके फलीभूत परिणाम सामने आए हैं। अब लगभग यह तय है कि उत्तराखंड में एक और बड़ी रेल लाइन पहाड़ी मार्ग पर शुरू हो सकेगी और रेललाइन का धरातल पर उतरने का रास्ता साफ हो रहा है। वहीं ऋषिकेश झ कर्णप्रयाग रेललाइन पर भी युद्धस्तर पर काम चल रहा है, सामरिक महत्व की इस परियोजना का काम 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य लेकर सरकार चल रही है। यह दोनों ही रेल लाइन उत्तराखंड के विकास और सामरिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण है। टनकपुरझबागेश्वर रेल लाइन बन जाने के बाद, कर्णप्रयाग झ बागेश्वर जैसे दो पर्वतीय शहरों को रेल नेटवर्क से जोड़कर, गढ़वाल– कुमांऊके बीच रेल सम्पर्क स्थापित होगा, तो वहीं सड़क मार्ग पर भी यात्रियों की निर्भरता कम होगी। उत्तराखंड को देश के दूसरे हिस्से से रेल लाइन के माध्यम से जोड़ने की प्रक्रिया अभी बाकी है जिसके तहत केंद्र सरकार ऋषिकेश–उत्तरकाशी और देहरादून – सहारनपुर रेलवे लाइनों की डीपीआर भी तैयार कर रही है। 81 किमी लंबी देहरादून झसहारनपुर शाकुंभरी देवी मंदिर के रास्ते से होकर गुजरेगी। यह रेललाइन सहारनपुर से देहरादून के हर्रावाला रेलवे स्टेशन तक बिछेगी। इसमें 11 किमी लंबी सुरंग भी शामिल है। उत्तराखंड में रेल लाईन नेटवर्क के विकास का यह दौर भविष्य के विकास की गति को भी रफ्तार प्रदान करेगा तो वहीं एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए लोगों को बेहतर सुविधाओं के साथ विकल्प चुनने की स्वतंत्रता भी मिलेगी। भविष्य की तैयारियों को पटल पर लाया जा चुका है, और अब परिणाम की प्रतिक्षा है।

गैर–बराबरी में वृद्धि एक बिंदु पर आकर ठहर गई

हाल में आई दो रिपोर्टों ने देशों के अंदर और विभिन्न देशों के बीच बढ़ती आर्थिक गैर–बराबरी पर फिर रोशनी डाली है। जी–20 शिखर सम्मेलन के निवर्तमान अध्यक्ष दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने इस मुद्दे पर विशेषज्ञों की एक समिति बनाई थी, जिसकी अध्यक्षता मशहूर अर्थशास्त्री जोसेफ स्टिग्लिट्ज ने की। वह समिति तो यह कहने की हद तक चली गई कि दुनिया इस वक्त असमानता आपातकाल का सामना कर रही है। इसकी वजह बताते हुए समिति ने कहा कि दुनिया के सबसे अमीर लोग नए पैदा हो रहे धन के बड़े हिस्से पर कब्जा जमाते चले जा रहे हैं। वे उसे अपने उत्तराधिकारियों को सौंपने की तैयारी में हैं। नतीजा यह है कि आर्थिक अभिजात वर्ग और बाकी समाज के बीच की खाई और चौड़ी होती जा रही है।

सत्येन्द्र रंजन

गैर–बराबरी पर गंभीरता से विचार करने के क्रम में पहला सवाल यह सामने आता है कि यह अपने–आप में एक समस्या है या मौजूदा आर्थिक का लक्षण भर है? मुद्दा यह है कि अगर उत्पादन के साधनों पर कुछ व्यक्तियों या व्यक्ति–समूहों का नियंत्रण रहेगा, तो यह कैसे संभव है कि उत्पादन से उत्पन्न धन का सबसे बड़ा हिस्सा उनकी जेब में ना जाए? तर्क दिया जा सकता है कि सरकारों के दखल से ऐसा करना संभव है? हाल में आई दो रिपोर्टों ने देशों के अंदर और विभिन्न देशों के बीच बढ़ती आर्थिक गैर–बराबरी पर फिर रोशनी डाली है। जी–20 शिखर सम्मेलन के निवर्तमान अध्यक्ष दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने इस मुद्दे पर विशेषज्ञों की एक समिति बनाई थी, जिसकी अध्यक्षता मशहूर अर्थशास्त्री जोसेफ स्टिग्लिट्ज ने की। वह समिति तो यह कहने की हद तक चली गई कि दुनिया इस वक्त असमानता आपातकाल का सामना कर रही है।

इसकी वजह बताते हुए समिति ने कहा कि दुनिया के सबसे अमीर लोग नए पैदा हो रहे धन के बड़े हिस्से पर कब्जा जमाते चले जा रहे हैं। वे उसे अपने उत्तराधिकारियों को सौंपने की तैयारी में हैं। नतीजा यह है कि आर्थिक अभिजात वर्ग और बाकी समाज के बीच की खाई और चौड़ी होती जा रही है। स्टिग्लिट्ज कमेटी की रिपोर्ट में कहा गयाः असमानता आज दुनिया की सबसे बड़ी तात्कालिक चिंताओं में से एक है, जो अर्थव्यवस्था, समाज, राजनीति, और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में कई तरह समस्याएं पैदा कर रही है। इसी महीने पेरिस स्थित इनइक्वलिटी लैब ने विश्व में विषमता की ताजा स्थिति पर अपनी रिपोर्ट जारी की। उसमें कहा गयाः 'असमानता लंबे समय से विश्व अर्थव्यवस्था को परिभाषित करने वाला पहलू बनी हुई है। लेकिन 2025 आते–आते वो उस मुकाम पर पहुंच गई है, जहां इस पर तुरंत ध्यान देना अनिवार्य हो गया है। भूमंडलीकरण और आर्थिक विकास के लाभ असमान रूप से एक छोटे समूह के पास संकेंद्रित हो गए हैं, जबकि दुनिया की ज्यादातर आबादी के लिए आजीविका जुटाना भी मुश्किल बना हुआ है।इनइक्वलिटी लैब की रिपोर्ट में कहा गया– 'जो विभाजन पैदा हुआ है, वह अपरिहार्य नहीं है। यह राजनीतिक एवं संस्थागत चयन का परिणाम है। स्टिग्लिट्ज कमेटी ने भी कहा था– असमानता कोई अपरिहार्य स्थिति नहीं है। यह चुनी गई नीतियों का परिणाम है। ये नीतियां (संबंधित समाज की) नैतिक दृष्टि और आर्थिक व्यवस्था को प्रतिबिंबित करती हैं। यानी दोनों रिपोर्टों को तैयार करने वाले विशेषज्ञ इस बिंदु पर एकमत हैं कि विभिन्न देशों में अपनाई गई नीतियों के कारण गैर–बराबरी ने इतना विकराल रूप धारण किया है। और चूंकि यह मानव–निर्मित है, इसलिए इस पर काबू पाया जा सकता है। कैसे? दोनों रिपोर्टों में इससे संबंधित सुझाव दिए गए हैं, जिन पर ध्यान देना महत्त्वपूर्ण हैः

स्टिग्लिट्ज कमेटी के मुताबिक,

बहुराष्ट्रीय कंपनियों और अति–धनाढ्य व्यक्तियों पर ऊंची दर से कर लगाया जाए?

कॉरपोरेट मोनोपॉली को कमजोर करने के लिए बाजार में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने वाली नीतियां लागू की जाएं?

शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसी सार्वजनिक सेवाओं में बड़े पैमाने पर निवेश किया जाए?

स्टिग्लिट्ज समिति ने असमानता पर एक अंतरराष्ट्रीय समिति बनाने का सुझाव भी दिया है, जो जलवायु परिवर्तन पर अंतर–सरकारी पैनल की तर्ज पर होगी। इससे लगातार गैर–बराबरी का प्रामाणिक आकलन और विश्लेषण उपलब्ध हो सकेगा जा सकेगा, जिसका इस्तेमाल सरकारें नीति–निर्माण के लिए कर सकेंगी।?

इनइक्वलिटी लैब की रिपोर्ट में दलील दी गई है कि धन और संसाधनों के पुनर्वितरण की नीतियां अतीत में असमानता को कम करने में कारगर रही हैं। अतः अगर इन नीतियों को ठीक से तैयार कर उन पर प्रभावी अमल हो, तो विषमता को घटाया जा सकता है। इस सिलसिले में स्कैंडिनेवियन देशों, यूरोप, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि जैसे देशों के अनुभव का उल्लेख किया गया है। वैसे रिपोर्ट में यह स्वीकार किया गया है कि 1990 के बाद लगभग सभी देशों में टैक्स की दिशा पलट गई। वहां अधिकांश आबादी के लिए प्रभावी आयकर दरों में लगातार बढ़ोतरी हुई है, जबकि अरबपतियों के लिए ये दरें तेजी से गिरी हैं।

मगर रिपोर्ट इस सवाल पर कुछ नहीं कहती कि तकरीबन साढ़े तीन दशक तक प्रगतिशील कर प्रणाली अपनाने के बाद तमाम देशों में कर व्यवस्था प्रतिगामी क्यों हो गई? जब पुरानी कर व्यवस्था से समाज अपेक्षाकृत समान और खुशहाल बने थे, तो फिर उनकी दिशा क्यों पलट दी गई? आज के हालात में ये सबसे अहम सवाल हैं, क्योंकि इनका रिश्ता संबंधित देशों की राजनीतिक व्यवस्था से है। बिना इनका उत्तर ढूंढे 'विषमता आपातकालइ का समाधान शायद ही ढूंढा जा सकता है।मगर इस बहस में गए बिना इनइक्वलिटी लैब की रिपोर्ट को तैयार करने में शामिल तकरीबन 200 अर्थशास्त्रियों ने समाधान सुझाया है कि अब फिर से प्रगतिशील कर व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए। सरल भाषा में इसका अर्थ है कि जो जितना धनी है, उस पर उतना अधिक कर लगाया जाए। ऐसी व्यवस्था लागू कर सार्वजनिक सेवाओं में निवेश के लिए जरूरी धन जुटाया जा सकता है। उससे सबके लिए विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। ऐसा होने पर सबकी निगाह में व्यवस्था की साख एवं वैधता मजबूत होती है। जबकि ऐसा ना होने पर आबादी के एक बड़े हिस्से की निगाह में व्यवस्था का औचित्य संदिग्ध हो जाता है।

तो इनइक्वलिटी लैब ने चार सुझाव दिए हैः

असमानता की निगरानी करना (यानी स्टिग्लिट्ज कमेटी के सुझाव को दोहराया है कि आईपीपीसी की तर्ज पर एक आईपीआई का गठन किया जाए।)

प्रगतिशील कर व्यवस्था और सामाजिक हस्तांतरण के जरिए आय का पुनर्वितरण किया जाए

शिक्षा और स्वास्थ्य में अधिक सार्वजनिक निवेश हो, और

नई वैश्विक मुद्रा प्रणाली अपनाई जाए।

इसमें जो आखिरी बिंदु है, वह नया है। संभवतः इसकी पृष्ठभूमि कुछ समय पहले इनइक्वलिटी लैब की ही आई एक अन्य रिपोर्ट से बनी है। उस रिपोर्ट में कहा गया कि उपनिवेशवाद के दौर में उपनिवेशों से बड़े पैमाने पर धन का ट्रांसफर यूरोप के औपनिवेशिक देशों में हुआ। दूसरे विश्व युद्ध के बाद डॉलर के अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के रूप में स्थापित होने के कारण ग्लोबल साउथ से धनी देशों (खासकर अमेरिका) को वैल्यू ट्रांसफर जारी रहा। यह विभिन्न देशों के बीच गैर–बराबरी का बड़ा कारण है। तो अब इनइक्वलिटी लैब ने एक नई वैश्विक मुद्रा प्रणाली लागू करने की वकालत की है।

रिपोर्ट के मुताबिक विकासशील देशों को डॉलर में कर्ज लेना पड़ता है। चूंकि उनकी मुद्रा कमजोर होती है, इसलिए उनके लिए कर्ज चुकाना महंगा पड़ता है। दूसरी तरफ अमीर देशों को कम ब्याज दर और मुद्रा के मूल्य की स्थिरता का लाभ मिलता है। इसलिए ऐसी वैश्विक मुद्रा प्रणाली अपनाने की जरूरत है, जिसमें सिर्फ डॉलर नहीं, बल्कि कई मुद्राएं (जैसे यूरो, युआन, या एक नई अंतरराष्ट्रीय मुद्रा इकाई) मिलकर वैश्विक लेन–देन का आधार बनें। रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा होने पर अंतरराष्ट्रीय असमानता घटेगी।

वैसे, अच्छी बात यह है कि इस दिशा में दुनिया में ना सिर्फ पहल शुरू हो गई है, बल्कि डॉलर के वर्चस्व से मुक्त होकर अब अनेक देश अपना कारोबार कर रहे हैं। उधर ब्रिक्स+ ने ऋण एवं वित्त की अलग व्यवस्था खड़ी करने की दिशा में ठोस प्रयास किए हैं। साथ ही चीन ग्लोबल साउथ के देशों के लिए कर्ज के एक बड़े स्रोत के रूप में उभरा है, जो संबंधित देश की मुद्रा और अपनी मुद्रा (युवान) के बीच विनिमय की व्यवस्था कायम करते हुए आगे बढ़ रहा है।इस परिघटना से आने वाले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय विषमता घटने की ठोस आस जगी है। मगर देशों के अंदर गैर–बराबरी कैसे कम हो, यह सवाल विकराल रूप में हम सबके सामने मौजूद है। इसलिए इस पर गंभीर चर्चा की जरूरत है। इस सिलसिले में मूल प्रश्न है कि

विषमता का कारण क्या है?

क्या यह कर व्यवस्था का परिणाम भर है, जैसा कि स्टिग्लिट्ज कमेटी और इनइक्वलिटी लैब की रिपोर्टों में कहा गया है?

या इसकी वजहें कहीं और हैं?

बेशक, दूसरे विश्व युद्ध के समय और उसके बाद सोशल डेमोक्रेसी के बढ़े प्रचलन के कारण प्रगतिशील कर व्यवस्था अस्तित्व में आई थी। उसके बेहतर नतीजे सामने आए। उससे सरकारों के पास सामाजिक एवं मानव विकास में निवेश के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हुए, वहीं अर्थव्यवस्था में सरकार के हस्तक्षेप एवं मोनोपॉली विरोधी कानूनों के कारण धन संकेद्रण पर एक हद तक रोक लगी। इनक्विलिटी लैब के संस्थापक थॉमस पिकेटी या जोसेफ स्टिग्लिट्ज जैसे अर्थशास्त्री उसी दौर को पूंजीवाद के स्वर्ण युग के रूप में याद करते हैं और उस तरफ लौटने की सलाह दे रहे हैं।

मगर यह अतीतमोह से अधिक कुछ नहीं है। सोशल डेमोक्रेसी अपने–आप में उस समय की विश्व परिस्थितियों का परिणाम थी। उसकी पृष्ठभूमि में सोवियत संघ की सफलताएं और उस कारण तमाम देशों के श्रमिक वर्ग में कम्युनिज्म के प्रति पैदा हुआ आकर्षण था। यानी जो प्रगतिशील नीतियां लागू हुईं, वह साम्यवाद के भय का परिणाम थीं। 1990 के बाद जब यह खतरा हट गया (या इसके हट जाने का अहसास बना), तब पूंजीवादी देशों के शासक वर्गों ने उन नीतियों को अलविदा कह दिया। उसी का नतीजा आज का सूरत–ए–हाल है।

दरअसल, गैर–बराबरी पर गंभीरता से विचार करने के क्रम में पहला सवाल यह सामने आता है कि यह अपने–आप में एक समस्या है या मौजूदा आर्थिक का लक्षण भर है? मुद्दा यह है कि अगर उत्पादन के साधनों पर कुछ व्यक्तियों या व्यक्ति–समूहों का नियंत्रण रहेगा, तो यह कैसे संभव है कि उत्पादन से उत्पन्न धन का सबसे बड़ा हिस्सा उनकी जेब में ना जाए? तर्क दिया जा सकता है कि सरकारों के दखल से ऐसा करना संभव है? मगर प्रश्न है कि क्या सरकारें सचमुच विभिन्न सामाजिक हितों के बीच समन्वय बनाने वाली कोई स्वतंत्र एजेंसी हैं (या अब रह गई हैं)? अथवा, आर्थिक मोनोपॉली के दौर में जो राजनीतिक–अर्थव्यवस्था बनी है, उसमें सरकारें खुलेआम मोनोपॉली पूंजी की हित साधक एजेंसी बन गई हैं?

ब्रिटिश अर्थशास्त्री माइकल रॉबर्ट्स ने अपने एक ताजा विश्लेषण में लिखा है– 'पिछले अध्ययनों में मैंने पाया कि व्यक्तिगत संपत्ति की उच्च असमानता आय की असमानता से निकटता से जुड़ी हुई है। मैंने पाया कि किसी अर्थव्यवस्था में व्यक्तिगत संपत्ति की असमानता जितनी अधिक होगी, आय की असमानता भी उतनी ही अधिक होने की संभावना रहेगी। अधिक संपत्ति अधिक आय को जन्म देती है। एक बहुत छोटा अभिजात वर्ग उत्पादन और वित्त के साधनों का मालिक है। इसी का परिणाम है कि वे संपत्ति और आय का बड़ा हिस्सा हड़प लेते हैं।इ

रॉबर्ट्स की ये पंक्तियां भी गौरतलब हैः 'संपत्ति का संकेद्रण वास्तव में उत्पादक पूंजी, उत्पादन और वित्त के साधनों के स्वामित्व से संबंधित है। यही बड़ी पूंजी निवेश, रोजगार और वित्त संबंधी निर्णयों को नियंत्रित करती है। यही वह असमानता है, जो पूंजीवाद के संचालन के लिए मायने रखती है। दरअसल, संपत्ति की असमानता उत्पादन और वित्त के साधनों के कुछ हाथों में संकेद्रण से पैदा होती है। (उत्पादन के साधनों पर) स्वामित्व की यह संरचना अछूती रहे, तो टैक्स बढ़ाने की सोच पर आधारित पुनर्वितरण की कोई भी नीति संपत्ति और आय के वितरण को ठोस रूप से बदलने में हमेशा विफल रहेगी।इ

ऐसी बुनियादी बातों को चर्चा में लाने पर अक्सर कहा जाता है कि ये आदर्शवादी बातें हैं, जो कम्युनिस्ट या मार्क्सवादी अक्सर कहते हैं। इनका कोई व्यावहारिक मतलब नहीं है। सोवियत संघ और उसके साथी देशों का उल्लेख कर यह भी कहा जाता है कि ये नीतियां नाकाम हो गई हैं।

लेकिन जिस मुकाम पर हम हैं, क्या अब प्रगतिशील कर व्यवस्था लागू करने की बातें भी यूटोपियन नहीं हो चुकी हैं? आखिर दुनिया में कौन–सा वो देश है, जहां की मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था इन नीतियों को अपनाने को तैयार हो? क्या जी–7 के देश इसके लिए तैयार हैं? क्या भारत में ऐसी स्थिति है?

तो फिलहाल बात समस्या को समझने की है। हमारे सामने दोनों तरह के अनुभव हैं। उन देशों का अनुभव है, जहां उत्पादन के साधनों पर सार्वजनिक नियंत्रण कायम किया गया और उन देशों का भी जहां उसके दबाव में सोशल डेमोक्रेसी को अपनाया गया। इस सिलसिले में फिलहाल प्रासंगिक चीन का अनुभव भी है, जहां एक अलग ढंग का प्रयोग हुआ है। चीन में माओवादी दौर में उत्पादन के साधनों पर पूरा पब्लिक स्वामित्व कायम किया गया, तो तब की वस्तुगत परिस्थितियों के बीच अधिकतम संभव समता वहां हासिल की गई थी। मगर 'सुधार और खुलेपनइ के दौर में उत्पादन के साधनों को सीमित रूप से निजी स्वामित्व में दिया गया। इस दौर में वहां गैर–बराबरी तेजी से बढ़ी। मगर चूंकि राजसत्ता कम्युनिस्ट पार्टी के हाथ में है, तो शी जिनपिंग के काल में वहां 'साझा समृद्धिइ की नीति के तहत विषमता को नियंत्रित करने के प्रयास किए गए हैं।

इनइक्विलिटी लैब की रिपोर्ट में चीन के बारे में कहा गया है– 'चीन में ऊंची विषमता बनी हुई है, लेकिन दशकों तक तेज गति से इजाफे के बाद अब इसमें ठहराव आ गया हैज् वर्षों तक खाई चौड़ी होने के बाद अब ऐसा लगता है कि गैर–बराबरी में वृद्धि एक बिंदु पर आकर ठहर गई है।इ दरअसल, कुछ अन्य रिपोर्टों में इसमें गिरावट आने के संकेत भी दर्ज किए गए हैं।

तो सबक क्या है? असल सवाल राजसत्ता के चरित्र और उत्पादन के साधनों पर नियंत्रण का है। चीन में भूमि और वित्त कभी निजी हाथों में नहीं दिया गया। उद्योग और निर्माण जैसे क्षेत्रों में भी राज्य ने अपनी निर्णायक भूमिका बनाए रखी। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों की अर्थव्यवस्था में बड़ी भूमिका बनी रही। इस बीच उत्पादक शक्तियों के विकास और समाज को समृद्ध बनाने के लिए प्रयोग के तौर पर उत्पादन प्रक्रिया का सीमित निजीकरण किया गया। उसके अच्छे और बुरे दोनों परिणाम सामने आए। चूंकि राज्य पर निजी पूंजी अपना प्रभाव नहीं बना पाई है, तो वहां यह संभव है कि विषमता घटाने के नियोजित प्रयास किए जा सकें। इसमें कितनी कामयाबी मिलेगी, यह आगे चल कर तय होगा।

मगर मुद्दा यह नहीं है कि चीन– या किसी दूसरे देश– में क्या हुआ और क्या नहीं। मुद्दा यह है कि क्या उत्पादन के साधनों पर निजी स्वामित्व वाली व्यवस्थाओं में सचमुच विषमता से निजात पाई जा सकती है?

बॉक्स ऑफिस पर 700 करोड़ के पास पहुंची फिल्म धुरंधर

बॉलीवुड के तीसरे ऐसे एक्टर बन गए हैं, जिन्होंने 1000 करोड़ी फिल्म दी है. हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म देने की रेस में उन्होंने सलमान खान को पीछे छोड़ दिया है. आमिर खान और शाहरुख खान के बाद अब रणवीर सिंह के खाते में 1000 करोड़ी फिल्म है. रणवीर सिंह की धुरंधर ने महज 21 दिनों में इस माइलस्टोन को हासिल किया है. सबसे तेज 1000 करोड़ रुपये कमाने की रेस में उन्होंने प्रभास की कल्कि 2898एडी को भी पीछे छोड़ दिया है. अब धुरंधर ने अपनी रिलीज के 22 दिन पूरे कर लिए हैं, आइए जानते हैं फिल्म ने 22वें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए हैं.

धुरंधर वर्ल्डवाइड 21 दिनों में 1006.7 करोड़ रुपए और भारत में 668.80 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर चुकी है. धुरंधर ने 22वें दिन यानी तीसरे शुक्रवार 16.70 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. धुरंधर भारत में 700 करोड़ रुपये के करीब पहुंच चुकी है. फिल्म ने भारत में 685.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है. धुरंधर ने पहले हफ्ते– 218 करोड़ रुपये, दूसरे वीके 261.5 करोड़ रुपये और तीसरे वीक 189.3 करोड़ रुपये कमाए हैं. आज 23वें दिन की कमाई से धुरंधर भारत में 700 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लेगी. वहीं, कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे स्टारर फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी ने दूसरे दिन 6.03 करोड़ रुपये कमाए हैं. फिल्म का दो दिनों का कुल कलेक्शन 14.49 करोड़ रुपये हो गया है. धुरंधर ने 22वें दिन कार्तिक की फिल्म से ज्यादा कलेक्शन किया है.

ऋषभ पंत वनडे टीम से होंगे बाहर, ईशान किशन की वापसी तय

नईदिल्ली, भारत और न्यूजीलैंड के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज 11 से 18 जनवरी के बीच खेली जाएगी, जिसके लिए जल्द ही टीम का ऐलान होगा। टीम चयन को लेकर चर्चाएं तेज हैं और ऋषभ पंत का बाहर होना तय माना जा रहा है। ऐसे में घरेलू क्रिकेट में शानदार फॉर्म में चल रहे ईशान किशन की वापसी के रास्ते खुल सकते हैं। उनके लगातार दमदार प्रदर्शन ने उन्हें एक बार फिर सभी प्रारूप में मजबूत दावेदार बना दिया है। पंत ने भारत के लिए आखिरी वनडे 7 अगस्त 2024 को श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेला था। इसके बाद वह लगातार वनडे टीम से बाहर चल रहे हैं। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए उन्हें टीम में जरूर चुना गया, लेकिन उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। रिपोर्ट के मुताबिक अब चयनकर्ताओं ने न्यूजीलैंड सीरीज के लिए पंत से आगे बढ़ने का फैसला कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक पंत की गैरमौजूदगी में ईशान की वनडे टीम में वापसी लगभग तय मानी जा रही है। 2 साल से ज्यादा समय बाद ईशान को फिर मौका मिल सकता है। उन्होंने भारत के लिए आखिरी वनडे 11 अक्टूबर 2023 को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था।

श्रीलंका के खिलाफ टी–20 सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम घोषित, बाबर और शाहीन को जगह नहीं

नईदिल्ली, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने श्रीलंका के खिलाफ 7 जनवरी से शुरू होने वाली 3 मैचों की टी–20 सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। शादाब खान की वापसी हुई है, जो कंधे की सर्जरी के कारण टीम से बाहर चल रहे थे। उन्होंने इस महीने बिग बैश लीग (बीबीएल) में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की और अन्य पाकिस्तानी खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन किया। टी–20 विश्व कप से पहले यह पाकिस्तान की ये आखिरी टी–20 सीरीज होगी। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम और तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी बीबीएल में अपना अभियान जारी रखेंगे, क्योंकि उन्हें श्रीलंका के खिलाफ टी–20 सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। बीबीएल में खेल रहे हारिस रऊफ, हसन अली और मोहम्मद रिजवान को भी इस सीरीज के लिए नहीं चुना गया। हालांकि, इन खिलाड़ियों ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि जरूरत पड़ने पर वे ऑस्ट्रेलिया से लौटने के लिए तैयार हैं। पीसीबी ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को भरोसा दिलाया था कि बीबीएल के लिए अनुबंधित सभी खिलाड़ी पूरे सीजन के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसी वजह से बोर्ड ने श्रीलंका के खिलाफ टी–20 सीरीज में अपनी मौजूदा रिजर्व खिलाड़ियों की ताकत पर भरोसा जताया है। आघा सलमान की कप्तानी में घोषित टीम में अनकैप्ड बल्लेबाज ख्वाजा नफाय को भी मौका दिया गया है, जबकि अब्दुल समद की टीम में वापसी हो गई है।

प्रभास की 'द राजा साब से सामने आया मालविका मोहनन का फर्स्ट लुक

साउथ सुपरस्टार प्रभास की आगामी फिल्म 'द राजा साब' काफी वक्त से चर्चाओं में बनी हुई है। हालांकि, 5 दिसंबर को रिलीज होने वाली फिल्म अब 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। अब दर्शकों का उत्साह और बढ़ाने के लिए मेकर्स ने फिल्म से मालविका मोहनन का फर्स्ट पोस्टर जारी किया है। पहला पोस्टर जारी करते ही मेकर्स ने मालविका के किरदार से भी पर्दा हटाया है। इस पोस्टर में मालविका मोहनन को भैरवी के किरदार में दिखाया गया है। पोस्टर में मालविका काली साड़ी में नजर आ रही हैं। आंखों पर काला चश्मा लगाए और हाथों में ब्लैक कलर की पर्स पकड़े मालविका काफी स्टाइलिश और स्वैग में नजर आ रही हैं। इसको शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में भैरवी लिखकर फायर इमोजी बनाए हैं।

जेम्स कैमरन की अवतार– फायर एंड ऐश 100 करोड़ क्लब में शामिल

जेम्स कैमरन की अवतारः फायर एंड ऐश ने भारत में 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है, क्रिसमस के दिन 13.5 करोड़ और 26 दिसंबर को 7 करोड़ की कमाई हुई, जिससे कुल कमाई 117 करोड़ हो गई है। यह फिल्म इंग्लिश, हिंदी, तेलुगु और तमिल में अच्छा प्रदर्शन कर रही है, और इसका ग्लोबल कलेक्शन 5,000 करोड़ से ज़्यादा हो गया है।फिल्म की सफलता का श्रेय इसकी बड़ी स्टार कास्ट को जाता है, जिसमें सैम वर्थिंगटन, जोई सल्डाना, स्टीफन लैंग और सिगोरनी वीवर शामिल हैं, साथ ही इसकी शानदार कहानी भी एक वजह है। कैमरन ने पहले ही 2029 और 2031 में आने वाले सीक्वल के बारे में हिंट दिया है, जिससे फैंस और भी ज़्यादा उत्साहित हैं।अवतारः फायर एंड ऐश भारत में 2025 की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली हॉलीवुड फ़िल्म बन गई है, जिसने मिशनः इम्पॉसिबल द फ़ाइनल रेकनिंग (100.56 करोड़), एफ1 (102.82 करोड़), और जुरासिक वर्ल्ड रिबर्थ (100.56 करोड़) को पीछे छोड़ दिया है।

अलविदा 2025 : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इन गेंदबाजों ने चटकाए सबसे ज्यादा विकेट

नईदिल्ली, साल 2025 में कई गेंदबाजों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया। इस दौरान कई तेज और स्पिन गेंदबाजों ने अपनी घातक गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान किया और लगातार विकेट चटकाकर मैच का रुख बदला। टेस्ट, वनडे और टी–20 तीनों प्रारूप में इन गेंदबाजों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए न सिर्फ अपनी टीमों को जीत दिलाई, बल्कि बड़े रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। आइए जानते हैं 2025 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज कौन रहे?

इस सूची में पहले स्थान पर न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जैकब डफी हैं। उन्होंने साल 2025 में 36 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले और इसकी 39 पारियों में 17.11 की उम्दा औसत के साथ 81 विकेट चटकाए। उन्होंने 4 बार 4 विकेट हॉल और 3 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 5/34 का रहा। डफी ने इस साल 4.26 की इकॉनमी रेट से गेंदबाजी की।

दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से 2 गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी और मैट हेनरी हैं। जिम्बाब्वे के मुजारबानी ने साल 2025 में 31 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। इसकी 34 पारियों में 27.58 की औसत से 65 विकेट लिए। उन्होंने 1 बार 4 विकेट हॉल और 3 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए। हेनरी ने 27 मैच की 29 पारियों में 16.87 की औसत से 65 विकेट लिए। उन्होंने 3 बार 4 विकेट हॉल और 3 बार ही 5 विकेट हॉल चटकाए।

बहरीन क्रिकेट टीम के अली दाउद्द इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने साल 2025 में 37 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले और इसकी 37 पारियों में 11.28 की शानदार औसत के साथ 63 विकेट लेने में सफल रहे। उन्होंने 3 बार 4 विकेट हॉल और 1 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए।

संक्षिप्त समाचार

कोटी फैगुल पट्टी के कोटी गांव में मनाई गई घंडियाल देवता की जात

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक के कोटी फैगुल पट्टी के ग्राम पंचायत कोटी में क्षेत्र के आराध्य देव घंडियाल देवता की तीन वार्षिक जात धूमधाम से मनाई गई। कोटी गांव में वर्षो से प्रत्येक तीन व साल में घंडियाल देवता की सामूहिक जात का आयोजन किया जाता है। शनिवार को आयोजित देवता की जात में ग्रामीणों ने गांव में स्थित देवता के मंदिर में सामूहिक पूजा अर्चना की। इसके बाद देवता के पश्वा ने ढोल–दमाऊ की थाप पर नृत्य किया। देवता के पश्वा ने श्रद्धालुओं को खुशी–खुशहाली का आशीर्वाद दिया। ग्राम प्रधान संदीप कुमार ने बताया कि दशकों से जात की यह परंपरा चली आ रही है। तीन साल में ग्रामीण एक बार अपने इष्ट देव घंडियाल की सामूहिक पूजा करते हैं। इस मौके जिला पंचायत सदस्य गंभीर सिंह भंडारी, क्षेत्र पंचायत सदस्य कृष्णा भंडारी, प्रधान पाली वींरेंद्र सिंह नेगी, रामप्रकाश राणा, ललिता प्रसाद कोटनाला, रतन राणा, राजपाल नेगी, डॉ. वीर सिंह, दयाल सिंह, बलवीर सिंह, राजीव राणा, रणधीर सिंह, सुरेश भंडारी आदि मौजूद थे।

लक्ष्मी अध्यक्ष और संपत्ति जिला सचिव चुनी गई

नई टिहरी। आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ता यूनियन की बैठक में जिले की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमे लक्ष्मी नेगी अध्यक्ष और संपत्ति बेलवाल सचिव चुनी गई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने लंबित समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया। यूनियन ने केंद्र सरकार की ओर से चार श्रम संहिता लागू करने का विरोध किया। चार नए श्रम संहिताओं का विरोध किया। संगठन की प्रांतीय अध्यक्ष शिवा दुबे, कोषाध्यक्ष कलावती चंदोलना की देखरेख में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। आशा सलोनी कोषाध्यक्ष, किरन खरोला उप सचिव, मीना थपलियाल प्रचार सचिव चुनी गई। निवर्तमान अध्यक्ष आशा भट्ट को सीटू यूनियन की जिला कार्यकारिणी में शामिल किया गया। इस मौके पर सीटू के जिला सचिव चिंतामणि थपलियाल, रूबी देवी, गायत्री देवी, संतोषी देवी, सुषमा रावत, ममता देवी, चंदो देवी, मधु रावत, किरन खरोला, सरला चौहान आदि मौजूद रही।

कानून व्यवस्था को बनाएं सुदृढ़

चमोली। पुलिस उपाधीक्षक कर्णप्रयाग त्रिवेंद्र सिंह राणा ने रविवार को पोखरी थाने का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने थानाध्यक्ष को अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। थाना पोखरी पहुंचे पुलिस उपाधीक्षक ने थाना परिसर, कार्यालय, मालखाना, अभिलेखों के रख–रखाव, शस्त्रागार, सीसीटीवी व्यवस्था आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने थाने में लंबित विवेचनाओं व शिकायतों का शीघ्र निस्तारण करने, अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को और पुख्ता करने के निर्देश दिए। पुलिस कर्मियों को ड्यूटी के दौरान सतर्क और अनुशासित रहने के निर्देश दिए। क्षेत्र में गश्त बढ़ाने के साथ ही असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखने व अपराध की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान थानाध्यक्ष देवेंद्र पंत, एएसआई देवेंद्र सिंह, भरत सिंह टोलिया और विनोद कुमार आदि मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया

चमोली। श्री गुरुरामराय पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने गढ़वाली, कुमाऊंनी, पंजाबी, हिमाचली और नंदा देवी राजजात की सराहनीय प्रस्तुति दी। राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विधायक भूपाल राम टम्टा ने विद्यालय को सड़क से जोड़ने के लिए दो लाख रुपये तथा कक्षा–कक्षों के सौंदर्यीकरण के लिए दो लाख रुपये की धनराशि देने की घोषणा की। प्रधानाचार्य एसएस चौहान ने विद्यालय के मेधावी छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया।

सीबीआई जांच के लिए हस्ताक्षर अभियान शुरू

श्रीनगर गढ़वाल। अंकिता भंडारी हत्या मामले में सोशल मीडिया पर प्रसारित नए ऑडियो से जनाक्रोश बढ़ गया है। ऑडियो में ह्यगट्टूह्ण नामक व्यक्ति तथा एक संदिग्ध वीआईपी का उल्लेख है।अब जस्टिस फॉर अंकिता कमेटी श्रीनगर ने गोला बाजार में सभा की। उन्होंने मामले की सीबीआई जांच के लिए उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश व राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजने के लिए हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की।

मुश्किल बढ़ा रही ठंड, अधर में लटका रैन बसेरा

कोटद्वार के मालगौदाम रोड में अधर में लटका रैन बसेरा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। सर्द होते मौसम में बेसहारा लोगों की चिंता बढ़ा दी है। हालत यह है कि नगर निगम की ओर से तैयार किया जा रहा रैन बसेरा पिछले सात वर्षों से भूमि विवाद के चलते अधर में लटक रखा है। हैरानी की बात तो यह है कि नगर निगम प्रशासन की ओर से भी इस विवाद को सुलझाने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए जा रहे।

बताते चलें कि वर्ष 2019 में नगर निगम ने मालगोदाम तिराहे के समीप खंडहर हो चुके कांजी हाउस को तुड़वा कर वहां रैन बसेरा बनाने की योजना बनाई। इसके लिए बाकायदा शासन को करीब 1.30 करोड़ का प्रस्ताव भी भेजा गया। शासन ने रैन बसेरा निर्माण को 98.45 लाख की धनराशि स्वीकृत करते हुए चालीस लाख रुपये अवमुक्त कर दिए थे। योजना के अनुसार, रैन बसेरा के भूतल पर किचन व दिव्यांगों के रहने की व्यवस्था होनी थी। जबकि, प्रथम तल पर महिलाओं, द्वितीय और तृतीय तल पर पुरुषों के रहने की व्यवस्था के साथ ही शौचालय और स्नानघर बनाया जाना था। डेढ़ वर्ष तक चले निर्माण कार्य के बाद तीन मंजिला ईंटों का भवन भी खड़ा हो गया था। लेकिन, 2021 में निर्माण कार्य पर ब्रेक लग गए। दरअसल, जिस भूमि पर रैन बसेरा निर्माण हो रहा था, रेलवे ने उसे अपनी भूमि बताते हुए निर्माण कार्य रुकवा दिया। हालांकि, इसके बाद रेलवे, नगर निगम व प्रशासन के अधिकारियों ने रैन बसेरा की भूमि का निरीक्षण किया था। लेकिन, वर्षों पुरानी भूमि के पर्याप्त दस्तावेज न मिलने के कारण स्थिति साफ नहीं हो पाई थी कि आखिर भूमि नगर निगम की है या रेलवे की। पांच वर्ष से अधिक समय बीत गया है। लेकिन, आज भी स्थिति पूर्ववत ही है।

> रैन बसेरे के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। रेलवे अधिकारियों से भी वार्ता तय है। पूर्व में भी वार्ता के लिए कहा गया था। लेकिन, वार्ता नहीं हो पाई। रेलवे के साथ मिल कर जल्द ही रैन बसेरा निर्माण संबंधी मामले को निस्तारित कर दिया जाएगा। ...पीएल, नगर आयुक्त, कोटद्वार नगर निगम

शहर ने ओढ़ी कोहरे की चादर, बढ़ी ठिठुरन

कोटद्वार में कोहरे के दौरान लाइट जलाकर गुजरते वाहन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः दिसंबर माह के अंत में ठंड का प्रकोप भी बढ़ने लगा हैं। रविवार को को पूरे दिन शहर ने कोहरे की चादर ओढ़ी रही। वहीं, कोहरे के साथ चल रही शीतलहरों ने भी आमजन की मुश्किलें बढ़ाई। अधिकांश लोगों ने ठंड से बचने के लिए हीटर व अलाव का सहारा लिया।

रविवार सुबह जैसे ही लोग घरों से बाहर निकले, घने कोहरे ने उनकी कपंकंपी छुड़ा दी। पूरे दिन लोग धूप का इंतजार करते रहे। लेकिन, सूरज के कोई दर्शन नहीं हुए। कोहरे के साथ चल रही शीतलहर ने लोगों की मुश्किलें बढ़ाई। कोहरे के कारण वाहनों से आवाजाही करने वाले लोगों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शहर की सड़कों पर अधिकांश वाहन हेडलाइट जला कर चल रहे थे। ठंड के कारण जनजीवन भी काफी अस्त-व्यस्त रहा। दोपहर में अधिकांश लोगों ने अपने प्रतिष्ठानों के बाहर अलाव जलाए हुए थे। वहीं, नगर निगम की ओर से भी शहर के मुख्य चौराहों पर अलाव की व्यवस्था की गई थी।

लोक संस्कृति पर आयोजित प्रस्तुतियों ने मोहा मन

जानकीनगर में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देती छात्राएं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः जानकीनगर स्थित रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर में सप्तशक्ति संगठन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की लोक संस्कृति पर दी गई प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी सोनिया ध्यानी, डा.सरोज चौहान, नीमा सेमवाल, गीता भारद्वाज व संगीता रावत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। वक्ताओं ने कहा कि समाज में नारी शक्ति के जागरण की परम आवश्यकता है। नारी शक्ति को समाज की विसंगतियों को दूर करने और चरित्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। परिवार हम सबको एक संगठित कर समाज की वर्तमान चुनौतियों को पार पाने में मदद करता है। जब भी हम अकेले होते हैं तो समस्याओं से जूझने में दिक्कतें आती हैं। इसलिए हम सबको अपने परिवार को संगठित करते हुए संस्कारवान बनाना चाहिए। एक साथ बैठकर भोजन करना भजन व भ्रमण करना चाहिए। वक्ता नीमा सेमवाल व गीता भारद्वाज ने भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर अपने विचार रखे। कहा की आज भारत विश्व गुरु बनने की और पुनः अग्रसर है, इसमें प्राचीन काल से ही भारत की महिलाओं की प्रमुख भूमिका रहीं। कार्यक्रम में छात्राओं ने गढ़वाली, कुमाऊंनी सहित अन्य गीतों पर नृत्य की प्रस्तुति दी। इस मौके पर सप्तशक्ति कार्यक्रम गढ़वाल संयोजिका मधुबाला नौटियाल, विनीता बिष्ट, नंदिनी नैथानी, साक्षी अग्रवाल, सरोज नेगी एवं संगीता कुकशाल आदि मौजूद रहे।

बच्चों की नाटक प्रस्तुतियों ने दिया सत्य की राह का संदेश

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः एमकेवीएन एजुकेशनल ग्रुप के विद्यालयों का महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान बच्चों की नाटक प्रस्तुतियों ने सत्य की राह पर चलने का संदेश दिया। महोत्सव का शुभारंभ राज्यमंत्री ऋषि कंडवाल, अजयपाल सिंह रावत, डा.पद्मेश बुडाकोटी, प्रकाश कोठारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। वक्ताओं ने कहा कि भविष्य निर्माण के लिए शिक्षा मुख्य रूप से जरूरी है इस लिए शिक्षकों का स्थान सर्वोपरी है। कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य होते हैं, इसलिए उन्हें पूरी मेहनत से अपने भविष्य को बेहतर बनाना चाहिए। इसके उपरांत विद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। संस्कृत के श्लोकों का उच्चारण कर बच्चों ने पूरा माहौल भक्तिमय बना दिया। ईश वंदना में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक नृत्य के द्वारा सरस्वती माता की वंदना की। विद्यालय की छात्रा अंशिका पंवार ने स्वागत गीत पर प्रस्तुति दी। मराठी नृत्य 'गोंडल' पर दी गई प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर लोगां को उत्तराखण्ड की झलक दिखाई। प्राइमरी वर्ग के बच्चों ने रैट्रो डाँस प्रस्तुत किया। छात्र–छात्राओं की ओर से प्रस्तुत द्रोपदी चीरहरण नाटक ने सत्य की असत्य पर जीत को चरितार्थ प्रस्तुत किया। इस मौके पर विद्यालय के कार्यकारी निदेशक मयंक प्रकाश कोठारी, शिवांगी कंडवाल, संजय नेगी, अक्षित जोशी, सिद्धांत ध्यानी, मनीष भट्ट, सलोनी चौहान, सिंधु कोठारी, विपिन जदली, रिपुदमन बिष्ट, शूरवीर खेतवाल आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार के एमकेवीएन में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी

साइकिल रेस प्रतियोगिता में सौर्यम रहा अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः रोटरी क्लब की ओर से आयोजित मेले के तीसरे दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान साइकिल रेल प्रतियोगिता में सौर्यम प्रथम स्थान पर रहा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

देवी रोड स्थित एक बारात घर में आयोजित मेले का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूरी भूषण ने किया। उन्होने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों को आगे बढ़ने का मौक मिलता है। क्लब के अध्यक्ष ऋषि ऐरन ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। इस दौरान

प्राइमरी वर्ग सामूहिक लोकनृत्य प्रतियोगिता में जीपीएस राजकीय पब्लिक स्कूल प्रथम, बलूनी पब्लिक स्कूल द्वितीय व क्रेडिल पब्लिक स्कूल तृतीय स्थान पर रहा। जूनियर वर्ग में हैप्पी चिल्ड्रन एकेडमी प्रथम, बलूनी पब्लिक स्कूल द्वितीय, सेंट जोसेफ कांवेट स्कूल तृतीय रहा। सीनियर वर्ग में जेपी इंटर कालेज, राजकीय कन्या इंटर कालेज, बलूनी पब्लिक स्कूल प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहे। स्लो साइकिल रेस प्रतियोगिता जूनियर वर्ग में सौर्यम रावत प्रथम, प्रभर अग्रवाल द्वितीय व ओजस धूलिया तृतीय रहा। सीनियर वर्ग में प्रिंस प्रथम, अंश द्वितीय एवं हिमांशु तृतीय रहा। पेंटिंग प्रतियोगिता सीनियर वर्ग में अनामिका तिवारी, शिखिल पटवाल, प्रथम, द्वितीय रहे। शतरंज प्रतियोगिता सीनियर वर्ग में आयुष बुडाकोटी, दीपक अभिनव, जूनियर वर्ग में आशीष सिंह, दिव्यांशु, विराज प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहे। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, नगर अध्यक्ष विकासदीप अग्रवाल, सिद्धबली मंदिर समिति के अध्यक्ष जेपी ध्यानी, सुमन कोटनाला, प्रमोद रावत,धनेश अग्रवाल, अभय रावत, गोपाल बंसल आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में रोटरी क्लब की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी

अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में चलाए जा रहे अटल स्मृति सम्मेलन में वाजपेयी के योगदान को याद किया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती के लिए वाजपेयी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्कर जोशी की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के तौर पर कैबिनेट मंत्री और क्षेत्रीय विधायक सतपाल महाराज ने शिरकत की। मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष कमल किशोर रावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व और वैचारिक यात्रा को बताया। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के अतुल्य योगदान को बुलाया नहीं जा सकता उनके द्वारा संघर्षों के साथ भाजपा संगठन को इस मुकाम तक पहुंचाया गया है। तीन बार प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने भारत देश को दुनिया के ऐतिहासिक पटल पर उतारा है उनका यह योगदान कभी बुलाया नहीं जा सकता। इसके साथ उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी के साथ अपने किस्सों को भी सुनाया। राज्यमंत्री ऋषि कंडवाल द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री के राष्ट्र निर्माण पर विचार रखे। इस इस मौके पर महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रमिला भंडारी, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष नरेन्द्र टम्टा, जिला पंचायत सदस्य महेंद्र राणा, बलवंत सिंह, भाजपा नेता सुयश रावत सहित सभी मंडलों के अध्यक्ष भाजपा कार्यकर्ता और क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री महिपाल सिंह द्वारा किया गया। वहीं, सतपुली नयारघाटी में हो रहे हैं नयारघाटी पंचायत महोत्सव में कैबिनेट मंत्री व स्थानीय विधायक सतपाल महाराज द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस युवा नेता दिग्विजय सिंह ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज व जिलाध्यक्ष कमल किशोर रावत ने दिग्विजय सिंह को भाजपा की सदस्यता दिलाई ।

आयोजित कार्यक्रम में अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते काबीना मंत्री सतपाल महाराज

रिंग रोड मुआवजा भुगतान के दोहरे मानक से भड़के ग्रामीण

नई टिहरी। टिहरी झील किनारे चारों तरफ प्रस्तावित रिंग रोड मुआवजा भुगतान में दोहरे मानक का ग्रामीणों ने विरोध किया है। उन्होंने ऑल वेदर परियोजना की तर्ज पर प्रभावित सभी ग्रामीणों को एक समान मुआवजा भुगतान करने, सड़क चौड़ीकरण के मानकों में शिथिलता देने की मांग की। समस्याओं के समाधान को रिंग रोड समिति का गठन किया गया जिसमें अरविंद नौटियाल, विक्रम सिंह को सचिव चुना गया। भामेस्वर महादेव मंदिर परिसर में रिंगरोड से प्रभावित होने वाले ग्रामीणों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि 12 सौ करोड़ की लागत से झील के चारों तरफ रिंगरोड का निर्माण कार्य होना है। रिंग रोड की चौड़ाई लगभग 30 मीटर प्रस्तावित है। झील के आसपास बसे गांव के ग्रामीणों की भूमि पहले टिहरी बांध निर्माण के लिए अधिग्रहण की गई। शेष भूमि को अब रिंग रोड के लिए अधिग्रहण की जा रही है। ऐसी स्थिति में बांध प्रभावित गांव के लोग भूमिहीन हो जाएगे। रिंगरोड के लिए अधिग्रहण की जा रही भूमि के मुआवाजा भुगतान में दोहरे मानक अपनाए जा रहे है। बैठक में चौंदार, मोटणा, नकोट, चांठी, रौलाकोट, झिवाली, बेरबागी, सेम घंडियालकी, रौणीया पथियाणा, कंगसाली, खरोली व नोताड़ के काश्तकारों ने सभी प्रभावित परिवारों को ऑल वेदर परियोजना की तर्ज पर एक समान मुआवजा देने की मांग की।

सोहन लाल जखमोला बने अध्यक्ष

कोटद्वारः उत्तराखंड वन विकास निगम कर्मचारी संघ हरिद्वार लौगिंग प्रभाग की पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान सोहन लाल जखमोला को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में सोहन लाल जखमोला को प्रभागीय अध्यक्ष, अमर सिंह को उपाध्यक्ष, कंवरपाल को प्रभागीय मंत्री, विनीत कुमार को प्रभागीय संगठन मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। अतुल कुमार को प्रभागीय कोषाध्यक्ष व अनुराग नौटियाल को प्रभागीय संयुक्त मंत्री, प्रेमनाथ को प्रचार मंत्री व वीरेंद्र सिंह नायक को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।इस मौके पर संघ के संरक्षक बीएस रावत, प्रांतीय अध्यक्ष टीएस बिष्ट, प्रांतीय महामंत्री गोविंद सिंह मेहरा, प्रांतीय उपमहामंत्री भास्कर, राजेंद्र सिंह राणा, हरीश नौटियाल, रविंद्र सिंह चौहान, नेहा बड़थ्वाल, रविंद्र सिंह नेगी, आदि मौजूद रहे।

जन समस्याओं को लेकर संघर्ष करती है कांग्रेस

कांग्रेसियों ने मनाया पार्टी का स्थापना दिवस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की ओर से पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने कांग्रेस के संघर्ष को याद किया। कहा कि कांग्रेस जनता के हितों को लेकर संघर्ष करती है।

कोटद्वार कांग्रेस कार्यालय में गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। वहीं, यमकेश्वर में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद डबराल के नेतृत्व में गोष्ठी का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए 28 दिसंबर 1885 को कांग्रेस की स्थापना की गई। वर्ष 1909 में बंगाल विभाजन के बाद कांग्रेस संगठन ने खुले तौर पर ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ स्वतंत्रता आंदोलन में शिरकत की। कहा कि पार्टी को धरातल पर मजबूती प्रदान करने के लिए कार्यकर्ता व पदाधिकारी लगातार संघर्ष कर रहे हैं। इस मौके पर ग्राम प्रधान गोविंद सिंह रावत, प्रीतपाल सिंह रावत, राजेंद्र गौड़, यशवंत सिंह, लक्ष्मण सिंह भंडारी, पीतांबर रावत, रवींद्र रावत, मदन भंडारी, मुकेश, राकेश रावत, दिनेश सिंह, पंकज रावत, प्रीतम सिंह, भगवान सिंह, दर्शन सिंह आदि मौजूद रहे।

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते कांग्रेसी

प्रतिनिधियों को उनके दायित्वों की दी जानकारी

थलीसैंण ब्लॉक में नव निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों प्रशिक्षण संपन्न

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः थलीसैंण ब्लॉक में नव निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों के लिए आयोजित पांच दिवसीय आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। यह प्रशिक्षण पंचायती राज विभाग उत्तराखंड के निर्देशन में बल कल्याण महिला विकास शिक्षा प्रचार प्रसार समिति द्वारा संचालित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों को पंचायती राज व्यवस्था, ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली, विकास योजनाओं का क्रियान्वयन, वित्तीय प्रबंधन, सामाजिक न्याय एवं पारदर्शिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य नव निर्वाचित प्रतिनिधियों को उनके दायित्वों के प्रति जागरूक करना एवं उन्हें प्रभावी नेतृत्व के लिए सक्षम बनाना रहा। कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में अर्पित पांडेय ने प्रतिभागियों को व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया। समापन अवसर पर ग्राम पंचायत विकास अधिकारी दीपक भट्ट विशेष ने पंचायत प्रतिनिधियों को गांव के सर्वांगीण विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन से थलीसैंण ब्लॉक क्षेत्र में पंचायती राज व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते लोग

खेल महोत्सव से गए तीन किशोर गौचर में मिले

चमोली। नगरासू में आयोजित खेल महोत्सव से घरवालों को बिना बताए गए तीन किशोर गौचर में मिले। गौचर चौकी पुलिस ने शनिवार देर रात महज तीन घंटे में तीनों को खोज निकाला और परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस चौकी प्रभारी मानवेंद्र गुसाईं ने बताया कि शनिवार शाम को लगभग आठ बजे थाना रुद्रप्रयाग के अंतर्गत घोलतीर पुलिस चौकी से सूचना मिली कि नगरासू में आयोजित खेल महोत्सव में प्रतिभाग करने आए तीन किशोर प्रतियोगिता संपन्न होने के बाद कहीं चले गए हैं। इसके बाद उन्होंने तीनों की खोज शुरू की। रात 11 बजे केंद्रीय विद्यालय के समीप तीनों घूमते हुए मिले। इसके बाद तीनों को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

पांच माह बाद भी सुरक्षात्मक कार्य नहीं होने से लोगों में आक्रोश

उत्तरकाशी। जनपद मुख्यालय से सटे सिल्याण गांव में गत वर्ष से हो रहे भू–धंसाव के कारण क्षतिग्रस्त मार्गों और दीवारों का निर्माण ग्रामीणों ने स्वयं शुरू कर दिया है। ग्रामीण स्वयं श्रमदान कर अब अपने गांव के सुरक्षात्मक कार्य कर रहे हैं। उनका कहना है कि प्रशासन की ओर से मानसून बीत जाने के बाद भी करीब पांच माह बाद भी गांव की सुरक्षा के लिए किसी प्रकार का कार्य शुरू नहीं किया गया है। सिल्याण के ग्रामीण मनोज राणा, कुंदन गुसाईं, सत्यदेव पंवार, कुलदेव पंवार, नीरज पंवार ने कहा कि गत वर्ष 2024 में भी मानसून सीजन में गांव में भू–धंसाव के कारण खतरा बढ़ हो गया था। वहीं, इस वर्ष मानसून के दौरान यह समस्या विकराल हो गई। इससे भू–धंसाव बढ़ने के कारण बरसात के दौरान पांच परिवारों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया था। साथ ही इस कारण गांव को जोड़ने वाला पैदल मार्ग और सरकारी विद्यालय को जोड़ने वाला मार्ग भी क्षतिग्रस्त हो गया था। इससे आज भी ग्रामीण जान जोखिम में डालकर आवाजाही कर रहे हैं। उस समय भू–वैज्ञानिकों के साथ प्रशासन की टीम ने गांव का निरीक्षण कर जल्द ही सुरक्षात्मक कार्य करने की आश्वासन दिया था लेकिन पांच माह बाद भी अभी तक किसी प्रकार की कार्रवाई शुरू नहीं हो पाई है। इसलिए जब प्रशासन की ओर से किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई तो अब ग्रामीणों ने स्वयं की क्षतिग्रस्त संपर्क मार्गों का निर्माण श्रमदान के माध्यम से शुरू कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

योग प्रशिक्षण में 45 शिक्षक–शिक्षिकाओं ने किया प्रतिभाग

श्रीनगर गढ़वाल। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) पौड़ी, चड़ीगांव में तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जिले के 15 विकासखंडों से 45 शिक्षक–शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला का शुभारंभ डायट के प्रभारी प्राचार्य डॉ. अरविंद सिंह, कार्यक्रम समन्वयक विनय किमोठी तथा संदर्भ दाताओं राष्ट्रीय प्रशिक्षक राकेश कंडवाल एवं जितेंद्र धस्माना ने किया। कार्यक्रम समन्वयक विनय किमोठी ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। संदर्भ दाता राकेश कंडवाल ने सूर्य नमस्कार सहित चक्रासन, वज्रासन, धनुरासन, भुजंगासन आदि आसन का अभ्यास कराया। जितेंद्र धस्माना ने भस्त्रिका, कपालभाति, अनुलोम–विलोम का अभ्यास कराया। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। कार्यशाला को सफल बनाने में डॉ. सतीश सिंह, डॉ. हीरा बिष्ट, ऋषि सेमवाल, प्रभा तिवारी, रिया मेवाड़, जेपी नौटियाल, अजय भारती, प्रमोद सिंह, विनय रावत, अनुकेत दसोनी, विनोद सिंह का योगदान रहा।

रवांई फैशन शो प्रतियोगिता रही आकर्षण का केंद्र

उत्तरकाशी। रवांई लोक महोत्सव के समापन पर घाटी की समृद्ध संस्कृति की झलक देखने को मिली। रवांई फैशन शो प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रहा। पहनावे के साथ मंच पर उतरे प्रतिभागियों ने प्रदर्शन कर अपने पारंपरिक पहनावे और बोली–भाषा को बचाने का संदेश दिया। रवांई लोक महोत्सव में कला के क्षेत्र में जगमोहन बंगाणी और साहित्य के क्षेत्र में अध्यापक दिनेश रावत को रवांई गौरव 2025, खेल के क्षेत्र में महक चौहान रवांई रत्न, पत्रकारिता के क्षेत्र में दिनेश रावत को रवांई सेवा सम्मान, उद्यमी के क्षेत्र में जय राज बिष्ट को सम्मानित किया गया। साथ ही चिकित्सा के क्षेत्र में सेवानिवृत बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एलम सिंह भंडारी को रवांई रत्न सम्मान दिया गया। कार्यक्रम में सभी लोगों को मुख्य अतिथि विकासनगर विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने सम्मान पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। फैशन शो प्रतियोगिता में आस्था भंडारी प्रथम, बीना और मिनिका द्वितीय और विजेंद्र सिंह तृतीय रहे। केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के प्रादेशिक कार्यालय देहरादून की ओर से चित्र प्रदर्शनी, प्रतियोगिता, गोष्ठी, विशेषज्ञ व्याख्यान करवाए गए। कार्यक्रम में पुरोला विधायक दुर्गेश्वर लाल, पूर्व विधायक केदार सिंह, राज्य मंत्री गीता राम गौड़, जशोदा राणा, अनुपमा रावत, शशि मोहन राणा, श्याम डोभाल, अजवीन पंवार, चैन सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

त्रिपुरा के छात्र की हत्या के मामले में सरकार सख्त

देहरादून। त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की हत्या के मामले को राज्य सरकार ने बेहद गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि इस तरह की कोई भी घटना प्रदेश में स्वीकार्य नहीं है। सरकार अराजक तत्वों से सख्ती से निबटेगी। इस तरह की घटनाओं में संलिप्त रहने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। त्रिपुरा के उनकोटी जिले के नंदानगर निवासी छात्र एंजेल चकमा की हत्या के मामले में पांच आरोपितों को अभी तक पकड़ा जा चुका है। इनमें से दो आरोपित नाबालिग हैं, जिन्हें बाल सुधार गृह भेजा गया है। एक फरार आरोपित की धर–पकड़ के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। उस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया है। पुलिस की एक टीम को उसकी तलाश में नेपाल भेजा गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने फरार आरोपित की जल्द से जल्द गिरफ्तारी के लिए पुलिस को निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री का कहना है कि फरार आरोपित बहुत जल्द पुलिस के शिकंजे में होगा। उन्होंने कहा कि कानून–व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले सरकार से रहम की उम्मीद न रखें।

विधायक ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

देहरादून। पर्वतीय विकास समिति ने रविवार को जीएमएस रोड पर जरूरतमंद लोगों को कंबल बांटे। लोकगायक गिरीश सनवाल पहाड़ी और शकुंतला रमोला ने गीत की प्रस्तुति के साथ समारोह का शुभांरभ किया। इस मौके पर कैंट विधायक सविता कपूर, भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल और जनसंपर्क अधिकारी राजेश सेठी ने कंबल बांटे। इस दौरान कर्नल अजय कोठियाल, कन्हैयालाल पोखरियाल, पूर्व पार्षद रमेश काला, केसर सिंह रावत, धनराज क्षेत्री, भूपाल चंद, संतोश कोठियाल, रणजीत सेमवाल, विनोद रावत शामिल रहे।

नाटककार एवं रंगकर्मी कुलानंद घनशाला को डॉ. गोविंद चातक स्मृति आखर साहित्य सम्मान से सम्मानित

श्रीनगर गढ़वाल। आखर चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से डॉ. गोविंद चातक की जयंती के अवसर पर चातक स्मृति व्याख्यान एवं साहित्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गढ़वाली नाटककार एवं रंगकर्मी कुलानंद घनशाला को डॉ. गोविंद चातक स्मृति आखर साहित्य सम्मान–2024 से सम्मानित किया गया। गढ़वाली नाट्य लेखन एवं रंगकर्म के माध्यम से गढ़वाली बोली–साहित्य को समृद्ध करने के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें 11 हजार की नकद धनराशि, सम्मान–पत्र एवं आखर स्मृति चिह्न भेंट किया गया। सम्मान राशि डॉ. गोविंद चातक के परिवार की ओर से प्रदान की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. गोविंद चातक के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। मुख्य अतिथि मेयर आरती भंडारी ने आखर ट्रस्ट की पहल की सराहना की। कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. मंजुला राणा ने डॉ. चातक के लोक साहित्य में योगदान को अतुलनीय बताया। समारोह में प्रो. संपूर्ण सिंह रावत, लोक कला निष्पादन केंद्र के निदेशक डॉ. गणेश खुगशाल गणी, डॉ. कपिल पंवार, डॉ. निदेश नितेश बौठियाल आदि ने डॉ. गोविंद चातक के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीलम नेगी ने किया। कार्यक्रम में ट्रस्ट अध्यक्ष संदीप रावत, सौरभ बिष्ट, अरुण बिष्ट, अनिल स्वामी, भूपेंद्र नेगी, दिनेश जोशी, सते सिंह भंडारी, रघुवीर कंडारी, भरत सिंह दर्शन सिंह, लखपत सिंह भंडारी व मुख्य ट्रस्टी लक्ष्मी रावत आदि मौजूद थे।

भालू से लड़ने वाले बच्चों के नाम राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार के लिए भेजे

चमोली। पोखरी ब्लॉक के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय हरिशंकर में भालू से लड़कर अपनी व अपने साथियों की रक्षा करने वाले पांचों साहसी छात्र–छात्राओं के नाम राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार के लिए नामित कर दिया है। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने बताया कि भालू के हमले का डटकर मुकाबला करने वाले पांचों छात्र–छात्राओं देवेश, पंकेश, आरव पुंडीर, दिव्या, दीपिका के नाम राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार के लिए भेजे गए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी साहसी छात्र–छात्राओं की सराहना करते हुए उनसे फोन पर बात की थी। वन विभाग ने भी आगामी 26 जनवरी पर इन बच्चों को सम्मानित करने का एलान किया है। बीते 20 दिसंबर को यह घटना हुई थी। विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष कविता देवी और ग्राम प्रधान रिंकी देवी चौधरी ने बहादुर विद्यार्थी देवेश, पंकेश, आरव, दिव्या व दीपिका को राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए नामित करने की मांग उठाई थी।

ख्यार्शी वार्ड के गांवों में शादी और मांगलिक कार्यों में शराब परोसना प्रतिबंधित

उत्तरकाशी। राजकीय इंटर कॉलेज क्यारी में ख्यार्शी जिला पंचायत वार्ड के अंतर्गत आने वाले जनप्रतिनिधियों ने बैठक कर शादी–समारोह और अन्य मांगलिक कार्यों को कॉकटेल मुक्त करने का निर्णय लिया। साथ ही रात 12 बजे के बाद डीजे बजाने पर पूर्ण पाबंदी लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया। जौनपुर ब्लॉक के जीआईसी क्यारी में जिला पंचायत वार्ड 13 के जनप्रतिनिधियों की जिला पंचायत सदस्य ख्यार्शी सविता देवी और सेवानिवृत्त उप शिक्षा निदेशक चेतन प्रसाद नौटियाल की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिला पंचायत सदस्य सविता ने कहा कि शादी–समारोह में होने वाली कॉकटेल पार्टी के कारण लोगों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है। सामाजिक छवि भी खराब हो रही है। सभी प्रकार के मांगलिक कार्यों में शराब का प्रचलन पूरी तरह से बंद किए जाने की जरूरत है जिस पर सभी ने सहमति व्यक्त की। पूर्व उप शिक्षा निदेश-ाक नौटियाल ने कहा कि डीजे की तेज आवाज के कारण बीमार, बुजुर्ग और बच्चों को परेशानी होती है। लिहाजा डीजे बजाने का समय रात 12 बजे तक निर्धारित किया जाए। शादी समारोह के निमंत्रण पत्र पर मेहंदी के लिए आमंत्रण को प्रतिबंध लगाया जाए। शगुन के तौर पर नकद धनराशि लिखवाने की अनुमति होगी जो परिवार बैठक में पारित प्रस्तावों का उल्लंघन करेगा। बैठक में ग्राम प्रधान गीता देवी, दीक्षा लेखवार, मंजीता देवी, चंद्रा देवी, निकिता, पूनम, ममता, रिजिमोहन रांगड़, अनिल रांगड़, सूर्य सिंह पंवार, रमेश लेखवार, प्रताप सिंह पंवार, रतनमणि भट्ट, जनक बिष्ट, चेतन चमोली, राजेश प्रसाद, शिवदास, सुमन रौछेला आदि मौजूद थे।

अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर प्रसारित वीडियो के बाद कांग्रेस और भाजपा के बीच घमासान तेज

देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर इंटरनेट पर प्रसारित हो रहे वीडियो के बाद प्रदेश में कांग्रेस और भाजपा के बीच घमासान तेज हो गया है। वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव में इस मुद्दे पर कांग्रेस का दांव कारगर नहीं रहा। लेकिन, वीडियो में जिस प्रकार भाजपा के नेताओं को निशाने पर लिया गया है, प्रमुख विपक्षी दल ने उसे लपकने में देर नहीं लगाई। जवाब में सधे अंदाज में कदम बढ़ा रही भाजपा ने अनुसूचित जाति और मातृशक्ति के अपमान को अपना हथियार बनाया है। वहीं, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने इस संबंध में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से वार्ता की। संगठन के ताजा रुख के बाद सरकार इस मामले में एक्शन मोड में है। उधर, भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व भी प्रदेश संगठन और सरकार की ओर से उठाए जा कदमों पर नजर रखे हुए है। अंकिता हत्याकांड को लेकर एक महिला नेत्री के इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहे वीडियो में भाजपा के नेताओं को निशाने पर लिया जा रहा है। भाजपा को इससे असहज होना पड़ रहा है। कांग्रेस लगातार प्रयास कर रही है कि अंकिता भंडारी हत्याकांड के मुद्दे को उठाकर विशेष रूप से गढ़वाल क्षेत्र में जन असंतोष को उभारा जाए। पार्टी के निशाने पर गढ़वाल क्षेत्र की 30 विधानसभा सीट हैं। पिछले दो विधानसभा चुनावों में इनमें से दो से तीन सीट ही कांग्रेस की झोली में आ सकीं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने इस हत्याकांड को मुद्दा बनाया, लेकिन उसे अपेक्षित सफलता नहीं मिली। यद्यपि, गत वर्ष लोकसभा चुनाव के कुछ माह बाद बदरीनाथ विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस जीत दर्ज करने में सफल रही। इस जीत के पीछे जन असंतोष उभारने की रणनीति को मिली कामयाबी के बूते ही गढ़वाल की विधानसभा सीटों पर जनाधार दोबारा मजबूत करने में पार्टी ताकत झोंक रही है। भाजपा सरकार पर दबाव बनाने को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल समेत तमाम वरिष्ठ नेता इस प्रकरण की सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में सीबीआइ जांच की मांग कर रहे हैं।

वहीं, भाजपा इस मामले में फूंक–फूंक कर कदम रख रही है। जन भावनाओं को उद्वेलित करने की कांग्रेस की कोशिशों की काट की जा रही है। इसी लिए पार्टी ने वीडियो में की जा रही टिप्पणी पर आपत्ति करने के साथ ही इसे अनुसूचित जाति और मातृशक्ति के अपमान से जोड़ा है।

वर्क फॉम होम के नाम पर पांच लाख की साइबर ठगी

देहरादून। साइबर ठगों ने एक व्यक्ति को वर्क फ्रॉम होम और यूट्यूब वीडियो लाइक करने के झांसे में 5.07 लाख का चूना लगा दिया। ठगों ने पीड़ित को झांसा देने के लिए शुरुआत में कुछ मुनाफा भी दिया। बाद में बड़ी रकम निवेश कराकर खाता ब्लॉक कर दिया। क्लेमनटाउन थाना पुलिस ने शिकायत पर शनिवार को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। टर्नर रोड निवासी अर्जुन सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीते 10 दिसंबर को उन्हें एक व्हाट्सएप नंबर से मैसेज आया। मैसेज में एक कंपनी के लिए घर बैठे काम करने का ऑफर दिया गया। जालसाजों ने उन्हें यूट्यूब वीडियो लाइक और कमेंट करने का टास्क दिया। शुरुआत के टास्क में पीड़ित को 100 रुपये का कमीशन भी दिया गया। जिससे उनका विश्वास बढ़ गया।

रंगकर्मी विमल बहुगुणा को संस्कृति समन्वय शिवालिक सम्मान

श्रीनगर गढ़वाल(। अखिल भारतीय सर्व भाषा संस्कृति समिति के राष्ट्रीय अधिवेशन में रंगकर्मी विमल बहुगुणा को संस्कृति समन्वयक शिवालिक सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। बहुगुणा ने बताया कि यह राष्ट्रीय अधिवेशन व सम्मान समारोह लेखक गांव थानों देहरादून में 23 से 25 दिसंबर तक हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री व साहित्यकार डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के ग्लोबल अध्यक्ष पंडित सुरेश नीरव ने की। समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से करीब 40 से अधिक साहित्यकारों ने प्रतिभाग किया।

"मन की बात" कार्यक्रम देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोतः मुख्यमंत्री

नैनीताल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को नैनीताल जनपद के पीएम राजकीय इंटर कॉलेज, कोटाबाग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "मन की बात" कार्यक्रम के 129 वें एपिसोड को आम जन एवं विद्यार्थियों के साथ सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का "मन की बात" देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। प्रधानमंत्री द्वारा साझा किए गए विचार हर नागरिक में राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि "मन की बात" के माध्यम से देश के कोने–कोने से जनसामान्य की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होती है और अनेक उत्कृष्ट कार्यों से देश प्रेरणा लेता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम से समाज सेवा, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तीकरण और युवाओं की सकारात्मक भूमिका जैसे विषयों पर गहरा प्रभाव पड़ा है। मुख्यमंत्री ने उपस्थित छात्र–छात्राओं से भी इस कार्यक्रम की सीखों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। अवसर पर सांसद नैनीताल उधमसिंह नगर संसदीय क्षेत्र अजय भट्ट, विधायक कालाढूंगी बंशीधर भगत, नैनीताल सरिता आर्या रामनगर दीवान सिंह बिष्ट लालकुआं मोहन सिंह बिष्ट,मेयर हल्द्वानी नगर निगम गजराज सिंह बिष्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

जनसमस्याओं को लेकर लोगों ने बैठक की

देहरादून। वरिष्ठ नागरिक जन सेवा समिति की ओर से आयोजित बैठक में अप्रत्याशित बिजली के बिलों, पेयजल, स्वच्छता और सड़कों समेत अन्य समस्याओं को लेकर बैठक की गई। रविवार को भगत सिंह कॉलोनी में बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान 2 फरवरी 2026 को समिति के एक वर्ष होने पर स्मारिका प्रकाशित कर स्थापना दिवस मानाने पर बातचीत की गई। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिक उमेश कुमार आर्या और उनके पुत्र मनोज कुमार आर्या की मृत्यु पर शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में हुकम सिंह गड़िया, डॉ. अतुल शर्मा, सुवर्ण सिंह नेगी, सुंदर लाल उनियाल, नूर मोहम्मद, बचन सिंह नेगी, पीएस पोखरिया, प्रेम कुमार, जेपी शाह, कुंवर सिंह रावत, डीएस रावत और आरएस जुयाल समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

रायवाला में सड़कों पर घूम रहा गुलदार, सीसीटीवी कैमरे में घटना हुई कैद

देहरादून। छिद्दरवाला के आशा प्लाट क्षेत्र में इन दिनों गुलदार की लगातार चहलकदमी से लोग आतंकित हैं। कहने को वन विभाग ने गुलदार पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया है, मगर गुलदार उसकी तरफ झांकने को भी तैयार नहीं है। वह गालियों में शिकार तलाश रहा है।

बीती रात सड़क पर घूम रहा गुलदार वहां एक कुत्ते के पीछे दौड़ा। यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। जिसमें दिखाई दे रहा है कि एक कुत्ता सड़क पर टहल रहा है, तभी वह सामने से आ रहे गुलदार को देखकर ठिठक जाता है, और फिर तेजी से वापस अपने घर की तरफ भागता है। वहीं, शिकार की तलाश में घूम रहा गुलदार कुत्ते का पीछा करता है मगर उसे पकड़ नहीं पाता। इसके बाद गुलदार काफी देर तक दूसरे शिकार की तलाश में वहीं सड़क पर इधर–उधर मंडराता रहता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि शाम ढलते ही गुलदार आबादी क्षेत्र के आस–पास मंडराने लगते हैं। अब तक वह कई कुत्तों को निवाला बना चुका है। ऐसे में बड़ी अनहोनी का खतरा बना हुआ है। क्षेत्र के लोग दहशत में हैं। महज पिंजरा लगा देने से लोगों को कैसे राहत मिल सकती है। जन सुरक्षा के ठोस उपाय किये जाने जरूरी हैं।

गुलदार की दहशतः दरअसल, इन दिनों छिद्दरवाला, चकजोगीवाला व आसपास आबादी क्षेत्र में काफी दिनों से लगातार गुलदार दिखाई दे रहा है। कई बार तो राहगीरों का गुलदार से आमना–सामना भो हो चुका है। हर दिन गुलदार की चहलकदमी की वीडियो आस–पास घरों में लगे सीसीटीवी में कैद हो रही हैं।

बंगाली समाज का बांग्लादेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

रुद्रपुर। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों और हालिया घटनाओं के विरोध में बंगाली समाज के लोगों ने रविवार को डीडी चौक पर प्रदर्शन किया। उन्होंने भारत सरकार से कड़ा रुख अपनाने की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बांग्लादेश सरकार पर कूटनीतिक दबाव बनाकर दोषियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई कराने की मांग की। रविवार को बंगाली कल्याण समिति उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप अधिकारी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता डीडी चौक पर एकत्र हुए और बांग्लादेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि बांग्लादेश में लगातार हिन्दू समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने बांग्लादेश सरकार पर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में विफल रहने का आरोप लगाते हुए घटनाओं की कड़ी निंदा की। इस मौके पर सत्यजीत सरकार, महामंत्री नारायण, उमा सरकार, काजल राय, सुभाष व्यापारी, मिलन सिकदर, सुकुमार अधिकारी, कृष्ण पद विश्वास, नारायण महाजन, चंद्रशेखर गांगुली, अर्जुन विश्वास, विश्वजीत मंडल, तप विश्वास, जय तरफदार, नंद सरकार, मानस बैरागी, नारायण हालदार, सुब्रत विश्वास, संजय आईस सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पिथौरागढ़ में कांग्रेस का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

पिथौरागढ़। नगर में कांग्रेस का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। कार्यकर्ताओं ने स्थापना दिवस पर कांग्रेस की विचारधारा को जन–जन तक ले जाने का संकल्प लिया। मुवानी में केक काटकर कार्यकर्ताओं ने सत्य व राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के विचारों में चलने का आह्वान किया। रविवार को सौनपट्टी क्षेत्र में कांग्रेस ने स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए जिलाध्यक्ष मुकेश पंत ने कहा कि आज कांग्रेस देश की जरुरत है, देश में लगातार महंगाई बढ़ रही है। सार्वजनिक संस्थाओं को केंद्र सरकार अपने चहेते पूंजीपतियों को बेचने में लगी है। युवाओं के रोजगार के अवसरों को धीरे–धीरे खत्म किया जा रहा है।

रंजिशन के चलते हुई थी ई–रिक्शा चालक की हत्या, दो आरोपित गिरफ्तार

देहरादून। लच्छीवाला में फ्लाईओवर के नीचे 24 दिसंबर की रात संदिग्ध अवस्था में मृत मिले व्यक्ति की हत्या के मामले में पुलिस ने दो रिक्शा चालकों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में मृतक की पत्नी ज्योति ने रायपुर थाने में पति दीपक की हत्या के मामले में जोनी के विरुद्ध नामजद मुकदमा दर्ज कराया था। डोईवाला कोतवाली के वरिष्ठ उपनिरीक्षक विनोद राणा ने बताया कि इस मामले में पुलिस टीम ने जांच के बाद शनिवार को 33 वर्षीय भुवनेश उर्फ जोनी निवासी सीमेंट रोड नदी रिस्पना डालनवाला और 54 वर्षीय नाथीराम निवासी संजय कालोनी न्यू कोतवाली पटेलनगर देहरादून को थानो रोड कोठारी मोहल्ला के पास से गिरफ्तार किया। आरोपितों के पास से घटना में इस्तेमाल किया गया ई–रिक्शा भी बरामद हुआ है। जिसे पुलिस ने सीज कर दिया। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वह ई–रिक्शा चलाते हैं। सवारी को लेकर दीपक के साथ उनकी कई बार बहस हुई। जिससे दोनों उससे रंजिश रखते थे। 24 दिसंबर वह उसे बहाने से लच्छीवाला ले गए और वहां उसकी हत्या कर दी।

अथरबनी ग्राम पंचायत की खुली बैठक में विकास प्रस्तावों पर सहमति

अल्मोड़ा। ग्राम पंचायत अथरबनी में रविवार को आयोजित प्रथम खुली बैठक में ग्रामीणों की समस्याओं और प्रस्तावित विकास कार्यों पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान विनोद जोशी ने की। बैठक में क्षेत्र पंचायत प्रमुख हिमानी कुंडू मुख्य अतिथि रहीं, जबकि जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि आनंद सिंह कनवाल और क्षेत्र पंचायत सदस्य जमन सिंह बिष्ट विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। बैठक के दौरान ग्राम वासियों ने क्षेत्र में जल निकासी की समस्या उठाते हुए पक्की नालियों के निर्माण का प्रस्ताव रखा, जिस पर सहमति बनी। इसके अलावा गौशाला, गोबर गैस संयंत्र, मुर्गी बाड़ा और वीबी रामजी योजना के अंतर्गत खड़ंजों के निर्माण के प्रस्तावों को भी सर्वसम्मति से स्वीकृति दी गई। जल संरक्षण हेतु चाल–खाल निर्माण एवं बंजर क्षेत्रों में वृक्षारोपण का प्रस्ताव रखा गया। ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति को मजबूत करने के लिए नई पेयजल लाइन बिछाने के विषय पर भी चर्चा हुई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि ग्रामसभा क्षेत्र में किन्नर समुदाय की मनमानी स्वीकार नहीं की जाएगी और शुभ अवसरों पर शगुन के नाम पर 2100 रुपये से अधिक की मांग को रोका जाएगा। साथ ही बिना सत्यापन के फेरी वालों और कबाड़ियों के क्षेत्र में घूमने पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया। ग्रामसभा क्षेत्र में खुले छोड़े जा रहे सीवर की समस्या पर भी गंभीरता से चर्चा हुई। तय किया गया कि स्वच्छता समिति का गठन किया जाएगा, जो क्षेत्र में सर्वेक्षण कर खुले में सीवर छोड़ने वालों पर नजर रखेगी। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्ति को व्यवस्था सुधारने के लिए 15 दिन का समय दिया जाएगा, इसके बाद भी सुधार न होने पर जुर्माना और आगे की कार्रवाई की जाएगी। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्र के शीघ्र निर्माण, नई सोलर लाइटें लगाने और पुरानी लाइटों की मरम्मत, साथ ही क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत के प्रस्ताव भी रखे गए। इसके अलावा अगले पांच वर्षों में पंचायत घर, सामुदायिक केंद्र, महिला उद्योग केंद्र, बच्चों के लिए मनोरंजन पार्क और ओपन जिम के निर्माण हेतु भूमि चयन को लेकर विभागीय अधिकारियों से वार्ता करने का निर्णय लिया गया।

मुनस्यारी में पार्किंग की व्यवस्था न होने से पर्यटक परेशान

पिथौरागढ़। प्रदेश की पर्यटन नगरी मुनस्यारी में आज तक पार्किंग के इंतजाम नहीं हो पाए हैं। हर वर्ष यहां पर्यटकों की संख्या में इजाफा हो रहा है। पर्यटक सड़कों के किनारे अपने वाहन खड़े करने के लिए मजबूर हैं। रविवार को पर्यटकों के वाहन बस स्टैंड में पार्क होने से रोड़वेज बस को पार्क करने के लिए जगह तक नहीं मिली। मजबूरन बस चालक को सड़क पर ही रोड़वेज बस को पार्क करना पड़ा। महाराष्ट्र, गुजरात सहित देश के विभिन्न राज्यों के साथ ही स्थानीय पर्यटकों का मुनस्यारी पहुंचने का सिलसिला जारी है। पर्यटकों के लिए पार्किंग एक बडी समस्या बनी हुई है,अधिकांश पर्यटक अपने निजी वाहनों से मुनस्यारी पहुंचते हैं। पर्यटन नगर होने के बावजूद अभी तक एक पार्किंग स्थल का निर्माण नहीं किया गया है। पार्किंग न होने से अधिकांश पर्यटक सड़क किनारे और होटल, होम स्टे, लॉज के सामने ही अपने वाहन खडे करने को मजबूर हैं। शासन की ओर से मल्टी स्टोरी पार्किंग के लिए बजट भी जारी हो चुका है पर अभी तक पार्किंग का निर्माण की कार्रवाई शुरु नहीं हुई है। रविवार को अधिकांश निजी वाहन चालकों ने बस स्टैंड में अपने वाहनों को पार्क कर दिया,रोडवेज बस स्टैंड में बस पार्क करने के लिए चालक को स्थान तक नहीं मिला। व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रमोद द्विवेदी ने कहा कि हिमनगरी में पर्यटकों का दबाव बढ़ रहा है, भविष्य में और बढ़ने की संभावना है। छोटे–छोटे पार्किंग स्थलों का विकास कर जाम की समस्या का समाधान हो सकता है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com